केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया
R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 283 शुक्रवार 8 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

अयोध्या सरयू नदी में स्नान करते समय तीन युवक लापता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। धर्मनगरी अयोध्या में गुरुवार की सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। बस्ती जिले से दर्शन–पूजन करने आए पांच दोस्तों में से तीन युवक सरयू नदी में स्नान करते समय गहरे पानी में चले गए और लापता हो गए। घटना सुबह लगभग 6रू55 बजे की है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंच गई है और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। जानकारी के अनुसार, बस्ती जिले के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के मंगल बाजार निवासी पांच युवक गुरुवार तड़के अयोध्या पहुंचे थे। सुबह करीब 6:55 बजे सभी दोस्त सरयू नदी के घाट पर स्नान कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, स्नान करते समय अचानक तीन युवक संतुलन बिगड़ने के कारण गहरे पानी की ओर चले गए और तेज धारा की चपेट में आ गए। बाकी दो दोस्तों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया और शोर मचाया, लेकिन देखते ही देखते तीनों लहरों के बीच ओझल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। जल पुलिस और स्थानीय गोताखोरों को तुरंत सक्रिय किया गया। फिलहाल बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है, लेकि जैसे ही यह खबर पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के मंगल बाजार में पहुंची, वहां सन्नाटा पसर गया। लापता युवकों अभिषेक गुप्ता , अमित और राज गुप्ता के स्वजन का रो–रोकर बुरा हाल है। परिजन और मोहल्ले के लोग तुरंत अयोध्या के लिए रवाना हो गए हैं। स्थानीय पुलिस बस्ती प्रशासन से समन्वय बनाकर युवकों की पहचान और अन्य विधिक कार्रवाई में जुटी रही। सुबह सूचना मिलते ही गोताखोरों को रेस्क्यू के लिए लगा दिया गया है।

गैस सिलेंडर के लिए लाइन में भिड़ीं महिलाएं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। शहर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र स्थित रत्नाकर गैस एजेंसी पर बुधवार को गैस सिलेंडर लेने के दौरान महिलाओं के बीच विवाद हो गया। लाइन में आगे–पीछे होने को लेकर शुरू हुई कहासुनी जल्द ही मारपीट में बदल गई, जिससे एजेंसी परिसर में कुछ देर के लिए अफरा–तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गैस वितरण के समय बड़ी संख्या में महिलाएं लाइन में खड़ी थीं। इसी दौरान पहले सिलेंडर लेने की होड़ में दो पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते कई महिलाएं आपस में उलझ गई और धक्का–मुक्की के साथ मारपीट होने लगी। एजेंसी पर मौजूद अन्य उपभोक्ता भी इस हंगामे से दहशत में आ गए।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हस्तक्षेप कर महिलाओं को शांत कराया। पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों को समझा–बुझाकर मामला शांत किया, जिसके बाद गैस वितरण का कार्य फिर से शुरू हो सका। इस घटना का वीडियो वहां मौजूद कुछ लोगों ने बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में महिलाएं एक–दूसरे से झगड़ती और अन्य लोग उन्हें अलग करते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह मामला शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बिहार में सम्राट मंत्रिमण्डल का विस्तार

पटना (आभा)। बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया है, जिसमें सबसे बड़ा आकर्षण पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार का मंत्री बनना रहा। इस नए मंत्रिमंडल में अब तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटे शामिल हैं, जो बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मंत्रिमंडल का गुरुवार को पूर्ण विस्तार हुआ, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को मंत्री बनाया जाना प्रमुख आकर्षण रहा। चौधरी के मंत्रिमंडल में अब तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटे शामिल हैं – नीतीश कुमार के बेटे निशांत, जगन्नाथ मिश्रा के बेटे नीतीश मिश्रा और जीतन राम मांझी के बेटे संतोष कुमार सुमन। तीनों ने गुरुवार को शपथ ली। एनडीए ने पटना के गांधी मैदान में शपथ

ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। हवाई अड्डे से समारोह स्थल जाते समय, सड़क के दोनों ओर कतार में खड़े लोगों ने मोदी के वाहन पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, जेपी नड्डा, जीतन राम मांझी और चिराग पासवान, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और आरएलएम प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा सहित कई गणमान्य व्यक्ति समारोह में उपस्थित थे। इंजीनियरिंग स्नातक निशांत कुमार, जो लंबे समय से सक्रिय राजनीति से दूर रहे हैं, ने जेडीयू नेतृत्व के लगातार आग्रह के बाद मंत्री पद की शपथ ली। खबरों के मुताबिक, निशांत कुमार ने शुरू में यह प्रस्ताव ठुकरा दिया था, यह कहते हुए कि वे कोई भी औपचारिक पद स्वीकार करने से पहले एक समर्पित पार्टी कार्यकर्ता के रूप में अपनी साख साबित करना चाहते हैं।

243 सदस्यीय विधानसभा में 89 विधायकों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और उसके 15 मंत्री हैं, जिन्होंने गुरुवार को शपथ ली। इनमें से अधिकतर वे मंत्री हैं जो पिछले साल नवंबर में एनडीए के विधानसभा चुनावों में शानदार वापसी के बाद नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल में शामिल थे। जेडीयू के कुल 15 मंत्री हैं, जिनमें से 13 ने गुरुवार को गांधी मैदान में शपथ ली। विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव ने सम्राट चौधरी के साथ अप्रैल में शपथ ली थी और उन्हें उपमुख्यमंत्री नामित किया गया था।

शिक्षक संघ के अधिवेशन में राम सागर वर्मा अध्यक्ष, राम पियारे मंत्री निर्वाचित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई हर्रैया का त्रैवार्षिक अधिवेशन गुरुवार को बीआरसी परिसर हुआ। चुनाव पर्यवेक्षक राकेश पाण्डेय, चुनाव अधिकारी सुरेश गौड़, देवेंद्र सिंह, दुर्गेश यादव और आनंद कुमार की देखरेख में पदाधिकारियों का निर्वाचन संपन्न हुआ। अध्यक्ष पद के लिए रामसागर वर्मा 214 मत पाकर विजई रहे। वहीं निकटतम प्रतिद्वंदी राजकुमार तिवारी को 186 मत मिला। मंत्री पद पर राम पियारे 225 मत पाकर विजई रहे। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी ठाकुर प्रसाद को 173 मत मिला। चुनाव पर्यवेक्षक ने बताया कि 415 मत के सापेक्ष 400 मत पड़े। मंत्री पद पर 2 मत अवैध पाया गया। निर्वाचित अध्यक्ष और मंत्री के अलावा पूरी कार्यकारिणी का गठन हुआ। जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर ओम प्रकाश, उपाध्यक्ष पद पर भागवत सिंह, चिन्मय कुमार राय, राजीव कुमार शुक्ला, बृजेंद्र पाण्डेय और राकेश सिंह, संयुक्त मंत्री पद पर नित्यानंद यादव, संगठन मंत्री पर रक्षाराम, राम सहाय, प्रदीप गुप्ता, प्रेम कुमार और मीरा चौधरी, प्रचार मंत्री पद पर ओम प्रकाश शर्मा, उमेश चंद्र राव और अमरजीत यादव, कोषाध्यक्ष पद पर संजीव सिंह निर्वाचित हुए। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह और मंत्री बालकृष्ण ओझा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर सन्तोष पाण्डेय,अश्वनी सिंह, विजय राव, शिव प्रकाश सिंह, प्रताप नारायण चौधरी, नन्दलाल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

जांच में झूठा निकला मामला: ग्राम प्रधान का वित्तीय अधिकार बहाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। गौर विकास खंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत बैदोलिया में भ्रष्टाचार की शिकायत उल्टे शिकायतकर्ताओं पर ही भारी पड़ गई। जांच में अधिकारियों ने लगाए गए आरोप को गलत पाया। इसके बाद ग्राम प्रधान को क्लीन चिट देते हुए वित्तीय और प्रशासनिक पावर को बहाल कर दिया है। अब ग्राम प्रधान की तरफ से शिकायतकर्ताओं के ऊपर कारवाई की मांग की गई है।

गौर विकास खंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत बैदोलिया निवासी एक व्यक्ति ने ग्राम पंचायत में सरकारी कार्य में अनियमितता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की थी। जिसके क्रम में सक्षम अधिकारियों द्वारा जांच करने के बाद ग्राम पंचायत के प्रशासनिक और वित्तीय पावर को सीज कर दिया गया था। इसके बाद ग्राम प्रधान के द्वारा अधिकारियों से निष्पक्ष जांच की गुहार लगाई गई। जिलाधिकारी ने जांच टीम गठित कर अंतिम रिपोर्ट प्रेषित करने का निर्देश दिया। जिला समाज कल्याण अधिकारी की अगुवाई में गठित जांच टीम ने गांव पहुंचकर लगाए गए आरोपों की जांच करने के साथ स्थलीय सत्यापन किया।

इस दौरान ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रुद्रनाथ पाण्डेय ने बताया कि जो भी

–ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने किया फर्जी शिकायत करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

आरोप ग्राम प्रधान के ऊपर लगाए गए हैं वह सब फर्जी हैं। ग्राम प्रधान के द्वारा जो भी भुगतान कराया गया है, उसके बदले में सभी कार्य कराए गए हैं। ग्रामीणों के बयान और शपथ पत्र देने के बाद जांच टीम ने ग्राम प्रधान को निर्दोष पाया और क्लीन चिट देते हुए रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रस्तुत किया। जिसके बाद जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत के प्रशासनिक और वित्तीय पावर को बहाल कर दिया है। ग्राम प्रधान ने झूठी शिकायत करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग किया है।

बस्ती के स्थापना दिवस पर आयोजित तीन दिवसीय वशिष्ठ महोत्सव का रंगारंग समापन :पुरस्कृत हुये विजेता खिलाड़ी, बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती।बस्ती के स्थापना दिवस पर आयोजित तीन दिवसीय वशिष्ठ महोत्सव का रंगारंग समापन हुआ। मुंबई वालीवुड से आए प्रसिद्ध गायक नीरज तिवारी ने अपने भजनों से स्टेडियम में समां बांध दिया। राम जी की सेना चली, अभी जरा ठहरो राम, पूरे भारत का बच्चा बच्चा जय जय श्री राम बोलेगा, बजाओ ढोल स्वागत मे हमारे राम आए हैं, बम भोले बम, होली खेले मसाने के गीतों पर दर्शक झूम उठे। लखनऊ से आई लोक गायिका सुश्री कल्पना पांडेय के भोजपुरी गानों तेरे दर पे ओ मेरी मैया, निमिया की डाली मैया ने खूब वाह वही बटोरी।

जबकि दूसरी ओर प्रदेश स्तरीय खो खो प्रतियोगिता में कुल 45 जिले की टीमों ने प्रतिभाग किया। यू पी खो खो लीग के लिए 24 बालक ,24 बालिका का चयन हो गया है जिनको नेशनल कोचिंग के लिए उनको शीघ्र सूचना दी जाएगी।

खो खो स्टेट चैंपियन शिप 2026 (बालक वर्ग)प्रथम – गोरखपुर , द्वितीय – वाराणसी , तृतीय – बस्ती

–बस्ती का नाम बदलकर वशिष्ठ नगर करने के लिए जारी रहेंगे प्रयास–राना दिनेश प्रताप सिंह

चतुर्थ – जौनपुर , पंचम – बलिया , षष्टम – गाजीपुर सप्तम – प्रयागराज ,अष्टम – बिजनौर के साथ ही वालीबाल (बालक वर्ग) मेंप्रथम स्थान – पकरी चौहान, द्वितीय स्थान – बस्ती स्टेडियम और तृतीय स्थान – पैड़ा का रहा।

कबड्डी (बालक वर्ग) में प्रथम स्थान – बस्ती टाइगर, द्वितीय स्थान – कोठवा भरतपुर, तृतीय स्थान – बी आर एस एकेडमी और कबड्डी (बालिका वर्ग) में प्रथम स्थान – बी आर एस एकेडमी, द्वितीय स्थान – बी आर एस कप्तानगंज, तृतीय स्थान – पी एस स्पोर्टस एकेडमी मरहा का रहा।

हैण्ड बाल (बालक वर्ग) में प्रथम स्थान – लक्ष्य एकेडमी, द्वितीय स्थान – स्टेडियम बस्ती (i)तृतीय स्थान – जी आई सी बस्ती ने प्राप्त किया।

हैण्ड बाल (बालिका वर्ग) में प्रथम स्थान – बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज बस्ती , द्वितीय स्थान – स्टेडियम बस्ती (i) तृतीय स्थान – जी जी आई सी बस्ती ने जीता।

खो खो स्टेट चैंपियन शिप 2026 (बालिका वर्ग) में प्रथम – वाराणसी , द्वितीय – जौनपुर ,तृतीय – भदोही ,चतुर्थ – हरदोई ,पंचम – प्रयागराज, षष्टम – चंदौली ,सप्तम – बस्ती अष्टम स्थान मथुरा ने हासिल किया।

कार्यक्रम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश स्तरीय खो खो प्रतियोगिता में बालक वर्ग में102 मैच हुआ जिसमें 596 खिलाड़ियों ने तथा बालिका वर्ग में 63 मैच हुआ जिसमें 448 खिलाड़ियों ने जीत के लिए जोर आजमाइश किया। 146 टीम कोच 45 निर्णायकों ने खेलों को सम्पन्न कराया। हैंडबॉल वालीबाल कबड्डी में जनपद से 230 बालक और 90 बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। विजेता प्रथम, द्वितीय, तृतीय को नकद राशि पुरस्कार के साथ मेडल और शील्ड प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी और विशिष्ट अतिथि जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष राजेंद्र नाथ तिवारी ने महर्षि वशिष्ठ की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर द्वीप प्रज्वलित किया। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण किया। कहा कि ऐसे आयोजनों से जहां हम अपनी संस्कृति की जड़ों को स्मृति करते हैं वहीं युवाओं के लिए अवसर प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि जिले का नाम बदलकर वशिष्ठ नगर करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष और भव्यता के साथ यह समारोह मनाया जाएगा। श्री राना ने अतिथियों, आगंतुकों और खिलाड़ियों का आभार जताते हुए कहा सभी के सहयोग से तीन दिवसीय यह समारोह भव्य बन सका इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख राम नगर यशकांत सिंह, दिलीप पाण्डेय,सुनील कुमार गुप्ता, सूर्य कुमार शुक्ल,कृपा शंकर त्रिपाठी,प्रेम प्रकाश चौधरी,कैलाश मोहन श्रीवास्तव,विजय श्रीवास्तव, चंद्र मणि मिश्रा,परमात्मा मधेशिया,जितेंद्र सिंह गुड्डू आशीष सिंह, रणजीत सिंह,विजय दुबे सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कबीर हत्याकांड में कोर्ट ने 7 आरोपियों को तलब किया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। चर्चित कबीर तिवारी हत्याकांड में सात साल बाद बड़ा न्यायिक मोड़ आया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रमोद कुमार गिरि की अदालत ने मामले में सात नामजद आरोपियों को बतौर मुलजिम तलब किया है। अदालत ने सभी आरोपियों को 20 मई को उपस्थित होने का आदेश दिया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि जिन आरोपियों के खिलाफ सीबीसीआईडी ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर राहत देने का प्रयास किया था, अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों को पर्याप्त मानते हुए उन्हें पुनः विचारण के लिए बुलाया है। कबीर तिवारी कप्तानगंज थाना क्षेत्र के एंटीडीह गांव के निवासी थे और एपीएन पीजी कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष थे। 9 अक्टूबर 2019 को दिनदहाड़े मालवीय मार्ग पर एक चिकित्सक के आवास के सामने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। शुरुआती जांच में छात्र राजनीति की आपसी रंजिश बताया गया था।

कमर्शियल गैस सिलेंडरों के बढ़े बेतहाशा मूल्य वापस लेने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। गुरुवार को उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल बस्ती के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में बड़े कमर्शियल गैस सिलेंडरों के अचानक बढ़े बेतहाशा मूल्य के वापस लेने की मांग और कालाबाजारी रोके जाने की मांग को लेकर गैस सिलेंडर का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर विरोध जताया गया। जिलाध्यक्ष राकेश सिंह के नेतृत्व में बस्ती जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति भारत सरकार को ज्ञापन भेजा गया।

–उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन
–गैस सिलेंडर का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन

प्रदेश उपाध्यक्षः अध्यक्ष बस्ती मंडल डॉ. मनोज सिंह ने बताया व्यवसायिक गैस सिलेंडर की उपलब्धता न होने के कारण कुटीर घरेलू , मझौले उद्योग तथा होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, कैटरिंग का व्यापार करने वाले, हवाई, डेरी वाले तथा फेरी में ठेलों पर खाने पीने का सामान बेचने वाले व्यक्तियों का कारोबार बंदी के कगार पर होने से उनके सामने भारी आर्थिक संकट पैदा हो गया है।

प्रदेश उपाध्यक्ष परमात्मा प्रसाद मद्धेशिया एवं सुनीत पाण्डेय ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 1 मई 2026 से कमर्शियल गैस का रेट अचानक 2080 से 977 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़कर 31 71 रुपए प्रति सिलेंडर कर दिया है।

जिला अध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा कि कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम पूर्व की दर पर ही निर्धारित किये जायं और आवश्यकतानुसार उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के आदेश पारित किये जायं।

जिला महामंत्री आलोक दुबे ने बताया कमर्शियल गैस सिलेंडर की बुकिंग घरेलू गैस सिलेंडर की भांति ऑनलाइन किये जाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। जिला संगठन महामंत्री भरत राम गुप्ता बबलू ने कहा कि केंद्र सरकार गैस के वैकल्पिक संसाधनों के खोज के लिए अनुसंधान कमेटी का गठन करें। जिला कोषाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि महंगाई और कालाबाजारी को रोकने के लिए कमर्शियल गैस सिलेंडर की बढ़ाई गई दरें वापस लेने हेतु आवश्यक खत्म उठाए जाने के लिए राष्ट्रपति द्वारा केंद्र सरकार को निर्देशित किया जाना चाहिए।

नगर अध्यक्ष राना महेंद्र प्रताप ने बताया विवाह शादी व फंक्शन के लिए मांग अनुसार सिलेंडर उपलब्ध कराए जाने पर आदेश पारित हो। नगर महामंत्री धीरेंद्र चौधरी ने बताया अस्पतालों व स्कूलों को उनकी आवश्यकता अनुसार कमर्शियल गैस उपलब्ध कराई जाए।

प्रवीण कुमार मण्डल अध्यक्ष, अरविन्द कुमार यादव सचिव निर्वाचित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। गुरुवार को प्रेस क्लब सभागार में इलेक्ट्रिकल एण्ड मैकेनिकल डिप्लोमा इंजीनियर संघ सिंचाई विभाग का द्विवार्षिक मण्डलीय अधिवेशन ई. धर्मेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में समस्याओं पर विचार के साथ ही दूसरे सत्र में चुनाव अधिकारी प्रान्तीय पर्यवेक्षक एवं चुनाव अधिकारी मो. राशिद खान की देख रेख में सर्व सम्मति से हुये चुनाव में ई. प्रवीण कुमार मण्डल अध्यक्ष, ई. रिजवान अहमद वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ई. अरविन्द कुमार यादव सचिव, ई. अरविन्द साहनी संगठन मंत्री, ई. अंतिमा वर्मा कोषाध्यक्ष चुने गये।

–द्विवार्षिक अधिवेशन में गूंजा पुरानी पेंशन बहाली, आठवे वेतन आयोग का मुद्दा

निर्वाचित पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाते हुये राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष मस्तराम वर्मा ने कहा कि राज्य कर्मचारियों इतिहास के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। स्थानीय स्तर पर अनेक विभागों में कर्मचारी समस्यायें लम्बित है। सेवा निवृत्त कर्मचारी अपने देयकों के भुगतान के लिये भटक रहे हैं किन्तु विभागीय अधिकारी सुनने को तैयार नही है।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष राम अधार पाल, जिला मंत्री तौलू प्रसाद ने कहा कि छोटी–छोटी बातों को लेकर आये दिन बिना पक्ष सुने कर्मचारी दण्डित हो रहे हैं। पुरानी पेंशन बहाली, कोरोना काल के डेढ वर्ष के रोके गये महगाई भत्ते और आठवें वेतन आयोग की रिपोर्ट को लागू किये जाने की मांग को लेकर संघ निरन्तर संघर्षरत है। उन्होने कहा कि एकजुटता से ही समस्याओं का हल निकलेगा। कर्मचारी अपने अधिकारों को लेकर निर्णायक भूमिका निभायें।

इलेट्रिकल एण्ड मैकेनिकल डिप्लोमा इंजीनियर संघ सिंचाई विभाग के द्विवार्षिक मण्डलीय अधिवेशन में बस्ती,सिद्धार्थनगर और संतकबीर नगर जनपद के अनेक पदाधिकारी और अवर अभियन्ताओं ने समस्याओं पर प्रकाश डाला। कहा कि सरकार द्वारा पूर्व से मिल रहे भत्तों को समाप्त कर कर्मचारी हितों की अनदेखी कर रही है। इन सवालों को लेकर संघर्ष तेज करना होगा। अधिवेशन में मुख्य रूप से ई. दिनेश चन्द, लक्ष्मीकान्त, राजेन्द्र प्रसाद, श्याम बिहारी, धर्मदेव, ई. अरविन्द प्रसाद, शैलेन्द्र कुमार, शैलेष कुमार, अनिल कुमार, सुनील कुमार, रवीश चन्द्र श्रीवास्तव, सतीश चन्द्र पाण्डेय, गणेश कुमार श्रीवास्तव, संध्या गुप्ता, सुमन प्रजापति, इरम नसीम, राजेन्द्र प्रसाद यादव, सत्येन्द्र कुमार यादव, कृष्ण मोहन यादव, उदय सिंह पटेल, हरीश कुमार श्रीवास्तव के साथ ही अनेक अवर अभियन्ता,पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदीप कुमार मिश्रा अध्यक्ष, विवेक उपाध्याय मंत्री निर्वाचित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। गुरुवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ विकास क्षेत्र रामनगर का अधिवेशन प्राथमिक विद्यालय खैरा में, जिला अध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल जी की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। शिक्षक समस्याओं पर व्यापक चर्चा के बाद दूसरे चरण में चुनाव अधिकारी जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल और पर्यवेक्षक जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनन्द दूबे की देख रेख में हुये चुनाव में चन्द्र बहादुर सिंह संरक्षक, प्रदीप कुमार मिश्र अध्यक्ष, कुलदीप कुमार तिवारी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कार्यवाहक अध्यक्ष, विवेक उपाध्याय मंत्री, नन्द किशोर चौधरी संयुक्त मंत्री, ज्ञानेश्वर शुक्ल कोषाध्यक्ष, आशुतोष पाण्डेय, मोहम्मद जमील, राम लखन, कृष्ण कुमार, श्रीमती अंकिता चौधरी उपाध्यक्ष, अश्वनी पाठक, राम कृपाल, पंकज कौशल, मुकेश कुमार, श्रीमती सुमन चौधरी संगठन मंत्री घोषित किये गये।

–शिक्षकों की एकजुटता से निकलेगा समस्याओं का हल–उदय शंकर शुक्ल

निर्वाचित पदाधिकारियों को जिला अध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते हुये कहा कि शिक्षकों के लिये यह समय करो या मरो का है। अभी न चेते तो एक–एक कर मिले हुये अधिकार भी समाप्त हो जायेंगे। कहा कि एकजुटता से ही समस्याओं का हल निकलेगा। उन्होने पदाधिकारियों का आवाहन किया कि वे आगामी 8 मई को प्रेस क्लब सभागार में दिन में 11 बजे से आयोजित बैठक में अनिवार्य रूप से हिस्सा लें। जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षक अपने अधिकारों को हासिल करने के लिये एकजुट हों तभी टेट से मुक्ति और पुरानी पेंशन का लाभ मिल सकेगा।

अधिवेशन को संबोधित करते हुए जिला संयुक्त मंत्री राजकुमार सिंह, रुधौली अध्यक्ष रजनीश मिश्रा, मंत्री योगेश्वर शुक्ला, ओंकार उपाध्याय एवं सुशील उपाध्याय ने संगठन को सुदृढ़ बनाने पर बल दिया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्रा ने कहा कि "मैं सेना से सेवानिवृत्त हूँ। एक सैनिक कभी हार नहीं मानता। हम शिक्षक हितों के लिए हमेशा संघर्ष करेंगे। सर कटवा सकते हैं, लेकिन शिक्षक हितों में सिर झुकने नहीं देंगे। किसी भी परिस्थिति में शिक्षकों का शोषण एवं उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।"जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने जानकारी यह देते हुए बताया कि अधिवेशन में मुख्य रूप से मेराज आलम अंसारी, अर्जुन चौधरी, जितेन्द्र कुमार, रोहित कुमार तिवारी, उषा वर्मा, इन्द्र कुमार वर्मा, अनिल कुमार, अनुज कुमार, राम बली, कपिल देव, दिनेश कुमार, रशीद अहमद, अर्चना भट्ट, देवेन्द्र कुमार सहित अन्य गणमान्य शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता" –वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 8 मई 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

नये दौर में लोकतंत्र

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों के बीच विपक्षी दलों के मोर्चे आइएनडीआइए का पूरा विमर्श पश्चिम बंगाल के इर्द–गिर्द सिमटता दिख रहा है। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी और राहुल गांधी समेत कई विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर नतीजों को प्रभावित किया। ममता ने यहां तक कहा कि वे हार को श्साजिशश का परिणाम मानती हैं। उल्लेखनीय है कि 2014 के बाद से हुए कई चुनावों में विपक्षी दलों ने अपनी हार के कारणों का ठोस आत्ममंथन करने के बजाय आरोपों की राह अधिक चुनी है।

2014 में भाजपा की बड़ी जीत के बाद ईवीएम में गड़बड़ी का मुद्दा जोर–शोर से उठा, जो हर चुनावी हार के बाद समय–समय पर सामने आता रहा है। हालांकि 2017 में चुनाव आयोग द्वारा आयोजित 'ईवीएम चौलेंज' में कोई भी दल मशीनों में छेड़छाड़ का दावा साबित नहीं कर पाया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर वीवीपैट प्रणाली को और व्यापक रूप से लागू किया गया, लेकिन ईवीएम में गड़बड़ी के आरोप लगते ही रहते हैं।

बंगाल में बात ईवीएम में गड़बड़ी के आरोपों से भी आगे निकल गई है। अब विपक्षी दलों का आरोप है कि निर्वाचन आयोग ने पहले गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया यानी एसआइआर के तहत लाखों मतदाताओं के वोट काटे और फिर चुनाव आयोग और केंद्रीय बलों ने भाजपा के इशारे पर काम करते हुए चुनावी गड़बड़ी की। यदि चुनाव प्रक्रिया इतनी व्यापक रूप से प्रभावित की जा सकती थी, तो अन्य राज्यों तमिलनाडु या केरलम में अलग–अलग नतीजे कैसे आए? केरलम में तो कांग्रेस को प्रचंड जीत मिली है।

विपक्ष इस तथ्य को नकार देता है कि बंगाल में भाजपा की उपस्थिति कोई नई नहीं है। पहले जनसंघ और बाद में भाजपा वहां पैर जमाने की कोशिश सदैव करती रही। 2016 के विधानसभा चुनाव में उसे 10 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले थे, जो 2021 में बढ़कर 37.97 प्रतिशत हुए और अब 45.85 प्रतिशत। तृणमूल कांग्रेस के वोट 2021 के 48.02 प्रतिशत से घटकर 2024 में 40.80 प्रतिशत पर आ गए। 15 साल की एंटी इनकंबेंसी, भ्रष्टाचार के आरोप, मुस्लिम तुष्टीकरण के विरुद्ध हिंदू रुवीकरण, महिलाओं की सुरक्षा और कांग्रेस, वाम दलों का तृणमूल के खिलाफ होना ममता की हार की वजहों में रहे।

चुनावी धांधली का आरोप नया नहीं है। तमाम प्रयासों के बावजूद चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह दोषमुक्त कभी नहीं रही। दिलचस्प है कि 1952 में जब पहला चुनाव हुआ था, तब प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन को 9 फरवरी 1952 को एक पत्र लिखा था, श्मुझे समय–समय पर चुनावों के संचालन के तरीके के बारे में विभिन्न शिकायतें प्राप्त होती रही हैं।...आज सुबह मुझे उत्तर प्रदेश के बारे में शिकायत मिली कि कई स्थानों पर मतदान पेटियों को बदल दिया गया या उनके साथ छेड़छाड़ की गई। बाद के वर्षों में बिहार, तमिलनाडु, जैसे कई राज्यों में भी चुनावी गड़बड़ियां होती रहीं।

1995 में बिहार विधानसभा चुनाव के वक्त बूथ लूट और हिंसा रोकने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त ने पहली बार कई चरणों में चुनाव कराए। राज्य में बड़े पैमाने पर अर्धसैनिक बलों की तैनाती भी की गई। उस वक्त लालू यादव खुलकर टीएन शेषन के खिलाफ बोलते थे। बंगाल में चुनावी हिंसा की अति हो गई थी। 2014 के लोकसभा चुनाव के वक्त बंगाल में चुनावी हिंसा में सात मौतें और करीब 2,652 लोग घायल हुए। 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान तो 300 से ज्यादा हिंसक घटनाओं में 58 मौतें हुईं।

इन हालात में केंद्रीय बलों की मौजूदगी ने अगर मतदाताओं को भयमुक्त होकर वोट डालने के लिए प्रेरित किया तो इसे गलत कैसे कहा जा सकता है? क्या ये भी एक वजह नहीं है कि बंगाल में मतदान के पहले चरण में 93.19 और दूसरे चरण में 91.66 प्रतिशत वोट पड़े? इसमें कोई शक नहीं कि एसआइआर का क्रियान्यवन और बेहतर होना चाहिए था, पर विपक्षी दलों की एसआइआर पर ठीकरा फोड़ने की कोशिश सिर्फ एक नैरेटिव बनाने का ही दांव है, जिसका उन्हें लाभ कम और लोकतांत्रिक ढांचे को नुकसान अधिक है। बिहार में भी यही कोशिश हुई थी, जहां एसआइआर के बाद 65 लाख लोगों के नाम कटे थे, पर नाम जोड़ने के लिए औपचारिक आवेदन सैकड़ों में भी नहीं हुए।

संभव है कि बंगाल में एसआइआर के चलते कुछ लोग मतदान से वंचित हुए होंगे, पर विपक्ष वास्तव में एसआइआर के मुद्दे पर चिंतित था, तो उसे बयानबाजी से आगे बढ़ना चाहिए था। यदि वह पांच–सात हजार प्रभावित लोगों को ही आगे कर देता, तो मुद्दा राजनीति के केंद्र में आ जाता, पर केवल बयानबाजी होती रही। तथ्य यह भी है कि एसआइआर के तहत जहां अधिक नाम कटे, वहां भाजपा के साथ टीएमसी ने भी जीत हासिल की है।

लोकतंत्र में सवाल उठाना आवश्यक है, किंतु हर चुनावी हार को साजिश बताना खतरनाक प्रवृत्ति है। इससे न केवल संस्थाओं पर अविश्वास बढ़ता है, बल्कि वास्तविक मुद्दों से ध्यान भी भटकता है। विपक्षी दलों के लिए जरूरी है कि वे जमीनी मुद्दों, संगठनात्मक मजबूती और वैकल्पिक नीति का एजेंडा बनाएं। ईवीएम में गड़बड़ी और निर्वाचन आयोग की मिलीभगत जैसे आरोप जनता के गले नहीं उतरते।

पश्चिम बंगाल में अब बदला नहीं बदलाव की राजनीति

–कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल–

पश्चिम बंगाल में स्वाधीनता के पश्चात पहली बार है जब भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड और ऐतिहासिक बहुत मिला है। भाजपा ने बंगाल में दो शतक का आंकड़ा पार कर कर एक नई लकीर खींच दी है। पश्चिम बंगाल में भाजपा को जहां साल 2016 में 3 और 2021 में 77 सीटें मिलीं। वहां 4 मई 2026 को घोषित हुए चुनाव परिणाम में भाजपा ने 206 सीटों के साथ नया अध्याय लिख दिया है। अंततः भाजपा के लिए कभी असंभव माने जाने वाले पश्चिम बंगाल में भगवा लहरा गया है। भाजपा ने ममता बनर्जी के अभेद्य किले को भेदकर वहां अपना विजय का परचम लहरा दिया है। बीजेपी की ये जीत कई मायनों में विशेष है। पश्चिम बंगाल के चुनाव में जिसने भी वहां के जनमानस को देखा, वहां के लोगों के मनोभावों, मुखरता और मौन को देखा। उन्हें ये परिणाम अप्रत्याशित नहीं लगे। क्योंकि 2026 के चुनाव में बंगभूमि में परिवर्तन की लहर सुस्पष्ट दिखाई दे रही थी। हालांकि जिनकी आंखों में वामपंथी, कांग्रेसी और समाजवादी चश्मा लगा था। वो बारंबार ये कह रहे थे कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार नहीं बनेगी।

लेकिन वो भूल गए कि ये वही बंगाल है जहां पूज्य रामकृष्ण परमहंस और उनके शिष्य स्वामी विवेकानन्द हुए। संन्यासी क्रांति हुई। महर्षि अरविन्द हुए। बंकिम बाबू ने वंदेमातरम् की राष्ट्रीय चेतना का जयघोष किया। गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर ने राष्ट्रगान लिखा। स्वदेशी और स्व का गौरवबोध जगाया। वो बंगाल जहां संघ संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार क्रांतिकारियों की अनुशीलन समिति से जुड़े और यहीं उनका नाम कोकेन पड़ा। बंगाल जहां नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जैसे क्रांतिवीर हुए। यही वो भूमि है जहां जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे बलिदानी हुए। वो श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए स्वाधीन भारत की नेहरू कैबिनेट से त्यागपत्र दे दिया। ष्एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नहीं चलेंगेष कृ इस उद्घोष के साथ जम्मू–कश्मीर की मुक्ति का पथ प्रशस्त किया। सत्ता का मोह नहीं किया बल्कि भारतभूमि की अखंडता के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उन्हीं श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भाजपा ने 2026 में बंगभूमि में नव परिवर्तन का इतिहास रच दिया। ऐसे में पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत के गहरे अर्थ हैं। ये कोई सामान्य चुनावी जीत नहीं है।

ये जीत केवल ममता बनर्जी की दमनकारी सत्ता की हार नहीं है। बल्कि ये जीत संगठित राजनीतिक अपराध, तुष्टिकरण, माफिया और कट मनी के पूरे सिंडिकेट और माड्यूल पर जनता का प्रहार है। ये विजय कृ श्त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी की जीत है। बंगाल में भाजपा की ये विजय उन असंख्य बलिदानों की विजय है, जिन्होंने अपना जीवन बंगभूमि के श्स्वश के लिए अर्पित कर दिया।ये जीत हिंदुत्व की है।ये जीत राष्ट्रीयता की जीत है। भाजपा की जीत हिंदू समाज की संगठित शक्ति की जीत है। ये विजय वंदेमातरम् की जागृत चेतना का शंखनाद है। ये जीत इस बात का प्रमाण है कि अन्याय, अत्याचार, हिंसा , रक्तपात, आतंक का अंत सुनिश्चित है। भाजपा की ये जीत श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे उन सैकड़ों बलिदानियों की जीत है जिन्होंने राष्ट्रीयता के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। कई पीढ़ियां जिस संकल्प में खप गईं। वो अब साकार हो चुका है। क्योंकि वहां का समाज संगठित हुआ। बच्चा–बच्चा राष्ट्रीय अस्मिता का ध्वजवाहक बना। उसका परिणाम भाजपा की प्रचंड जीत हुई।

लेकिन ये जीत केवल पश्चिम बंगाल में परिवर्तन की ही कहानी बयां नहीं कर रही है बल्कि नए समीकरणों की ओर संकेत कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीत के बाद 4 मई 2026 को बीजेपी मुख्यालय नई दिल्ली में अपने संबोधन के दौरान जनादेश के लिए न सिर्फ आभार जताया। बल्कि उन्होंने सुस्पष्ट कहा किकृ " ये जीत भारत के लोकतंत्र और संविधान की जीत है। चुनाव में हार–जीत अलग बात है। लेकिन बदला नहीं बल्कि बदलाव की बात होनी चाहिए।भय नहीं भविष्य की बात होनी चाहिए।"

इतना ही नहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से आह्वान किया किकृ "हिंसा के अंतहीन चक्र को हमेशा के लिए खध्त्म करें। बंगाल की सेवा के लिए काम करें।विवाद नहीं विकास, विभाजन नहीं विश्वास चाहिए।श्श वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बंगाल के विकास, सुशासन, विकसित भारत के संकल्प को दुहराया। साथ ही ये चेतावनी भी दी कि दोषियों को सजा जरूर मिलेगी। स्पष्ट है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा के लिए सत्ता नहीं बल्कि उसकी नीति महत्वपूर्ण है।इसके संकेत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दे दिए हैं। यानी पश्चिम बंगाल में वर्षों के कम्युनिस्ट आतंक, ममता बनर्जी की क्रूरता से त्रस्त जनता अब परिवर्तन की नई दिशा की ओर बढ़ चली है।

वैसे बंगाल के आकाश से अंधेरा छटा और कमल खिला लेकिन भाजपा की ये जीत इतनी आसान नहीं थी। भाजपा ने साल 2021 के विधानसभा चुनाव की हार से कई सबक लिए। माइक्रो लेवल से लेकर BROAD PERSPECTIVE में प्लानिंग की।बूथ से लेकर वोटर्स तक डायरेक्ट कनेक्ट किया। स्थानीय मुद्दों और नैरेटिव पर अपनी पकड़ मजबूत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे और मोदी की गारंटी को बीजेपी ने ब्रांड इमेज बनाया। सुशासन की नीति और स्पष्टता ने बीजेपी की चुनावी जमीन को बेहद मजबूत कर दिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके समवैचारिक संगठनों की वर्षों से राष्ट्रीय अस्मिता को लेकर की जा रही अपील ने लोगों को संगठित किया। इसका ये परिणाम हुआ कि पश्चिम बंगाल का जनमानस जो ममता बनर्जी के क्षेत्रवाद के विभाजनकारी प्रोपेगैंडा का शिकार हो जाता था। बंगाल के उस समाज ने समझा कि उनके आदर्श राष्ट्रीय संस्कृति में निहित हैं। उस संस्कृति में निहित हैं जिसके आभूषण बंगाल की भाषा–बोली, पहनावे, खान–पान और परंपराएं हैं। वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में वर्षों से चली आ रही राजनीतिक हिंसा, सत्ता के संरक्षण में जारी रहे रक्तपात, गुंडागर्दी, दुराचार से जनता त्राहि–त्राहि कर रही थी। ऐसे में भाजपा में जनता को अपना हित दिखा।भाजपा की जीत के कुछ महत्वपूर्ण फैक्टर्स की बात करें तो – बीजेपी ने खुद को हिंदुत्व और बंगाली अस्मिता का स्टेक होल्डर और रक्षक बताया। इसके चलते पश्चिम बंगाल में हिन्दू पहचान प्रमुख पहचान बनकर उभरी। बंगाल के समाज ने इस बात को प्रमुखता दी किकृ "हमारी अलग–अलग जितनी भी पहचाने हैं। उन सबमें सबसे बड़ी पहचान हिन्दू होने की पहचान है। इसी पर आक्रमण हो रहा है।" ऐसे में हिन्दू और हिन्दुत्व के बोध ने बंगाल की अन्तश्चेतना में नया सांस्कृतिक जागरण किया। इसके चलते लोग मुखर हुए।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, सुवेंदु अधिकारी की आक्रामक शैली को लोगों ने दिल में जगह दी। अमित शाह के 5 मई को टीएमसी के गुंडों को उल्टा लटकाकर–सीधा कर दूंगा इस बयान को जनता ने हाथों हाथ लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पीपुल कनेक्ट के हर सांकेतिक प्रतीक को लोगों ने अपने से जोड़ा। चाहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का झालमुड़ी खाने वाला प्रकरण हो। याकि जनसभा के दौरान खध्द मोबाइल निकालकर उसकी वीडियोग्राफी करनी हो। याकि टीएमसी और ममता बनर्जी के खिलाफ आक्रामक बयान देना हो। श्4 मई दीदी गईश के नारे हों। इन सबने जनता को भाजपा के पक्ष में किया।

पश्चिम बंगाल के कोने–कोने से ऐसे ऐसे दृश्य देखने को मिले जो किसी को भी भावुक कर दें। कहीं चिलचिलाती धूप में माता–पिता के साथ छोटे–छोटे बच्चे नजर आए। वहीं बुजुर्ग महिलाएं प्रधानमंत्री के फोटोध् पोस्टर बैनर की आरती उतारती और टीका लगाती नजर आईं। बुजुर्ग महिलाएं कृ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फोटो दीवारों में चिपकाती दिखीं। लोग प्रधानमंत्री मोदी को किसी बड़े उद्धारक के तौर पर देख रहे थे। यहीं से पूरी बिसात बीजेपी के पाले में चली गई। अब पश्चिम बंगाल में भाजपा नहीं बल्कि जनताकृ भाजपा की ओर से चुनावी मैदान में उतरने लगी। ममता बनर्जी के मुस्लिम तुष्टिकरण के खिलाफ लोगों का आक्रोश फूटा।

महिला सुरक्षा के मुद्दे, आर जी कर मेडिकल कॉलेज, संदेशखाली जैसे मुद्दों को बीजेपी ने चुनाव के केंद्र में ला दियाध। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमित शाह से लेकर हर बीजेपी नेता ने महिला सुरक्षा, हिन्दू हित और डेमोग्राफी बदलाव के मुद्दे को जनता तक ले गए। केंद्रीय सुरक्षाबलों की तैनाती ने फर्जी वोटिंग पर लगाम लगाई। भयमुक्त मतदान के चलते भाजपा को सीधा फायदा मिला। वहीं महिलाओं और युवाओं को हर महीने 3 हजार रु देने के वादों ने भी भाजपा को बढ़त दिलाई।

मुस्लिम तुष्टिकरण के आकंठ तक डूबी ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं के साथ कुठाराघात किया। हिन्दू त्योहारों पर प्रतिबंध, मुस्लिमों को खैरात पर खैरात। हिन्दुओं के खिलाफ होने वाली सुनियोजित हिंसा पर ममता बनर्जी के मौन नेकृ वहां के समाज को उद्वेलित किया। पश्चिम बंगाल में अवैध बांग्लादेशियों, रोहिंग्याओं की घुसपैठ को ममता बनर्जी के मौन समर्थन ने खूब तूल दिया। इससे बंगाल के लोगों के मन में भय का वातावरण बना। चहुंओर हिंसा, रक्तपात, गुंडागर्दी, गौ हत्या, गौ–तस्करी, माफियाओं के बढ़ते हौसलों ने ममता के शासन के अंत की पटकथा लिख दी। बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से वहां हिन्दुओं के खध्लिाफ हुई सुनियोजित हिंसा और हर समय ममता बनर्जी का मौन रहना। मुस्लिमों की वकील बनकर सामने आना। ये सब पश्चिम बंगाल की जनता ने देखा। वो उससे सीधे प्रभावित हुए। फिर अपना धैर्य बनाए रखा और मतदान के दिन बदला ले लिया।

हिन्दू वोटों की फसल काटने की तिकड़म

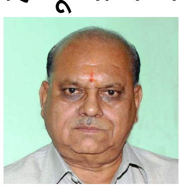

–अजय कुमार–

समाजवादी दल का इतिहास गवाह है कि जब भी चुनावी मौसम करवट लेता है, तब यह दल भी अपना रंग बदलने लगता है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता दल की जीत ने उत्तर प्रदेश की सियासत में एक नई हलचल पैदा कर दी है। बंगाल के नतीजों ने यह साफ कर दिया कि हिंदू मतदाता एकजुट होकर मतदान करे तो किसी भी दुर्ग को ढहाया जा सकता है। इस संदेश को समाजवादी दल के मुखिया अखिलेश यादव ने बखूबी पढ़ लिया और देखते ही देखते उनकी सियासत का रंग बदलने लगा। अखिलेश यादव, जो कभी जाति और वर्ग की राजनीति के पुरोधा माने जाते थे, आजकल सामाजिक माध्यमों पर बजरंग बली की तस्वीर के साथ चौपाइयाँ लिख रहे हैं। समाजवादी दल के प्रदेश कार्यालय में बड़े मंगल पर पूजा–अर्चना की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। यह देखकर आम जनता के मन में एक ही सवाल उठता है कि क्या यह सच्ची आस्था है या केवल भेष बदल कर हिन्दू मतों की फसल काटने की तिकड़म?समाजवादी दल की स्थापना से लेकर आज तक उसकी सियासत की बुनावट को देखें तो एक धागा बार–बार नजर आता है जब सत्ता मिली तो एक रंग, और जब विपक्ष में आए तो दूसरा रंग। मुलायम सिंह यादव ने जब दल की नींव रखी, तब उनका मूल आधार यादव और मुसलमान मतदाताओं का गठबंधन था। इसे सियासी बोलचाल में 'माय' यानी मुसलमान–यादव समीकरण कहा गया। यह समीकरण वर्षों तक उत्तर प्रदेश की सत्ता का केंद्र बिंदु रहा। इस गणित के बल पर समाजवादी दल ने कई बार सरकार बनाई, लेकिन इसके साथ ही दल पर तुष्टीकरण का आरोप भी लगता रहा।

वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में जब भारतीय जनता दल ने भारी बहुमत से उत्तर प्रदेश की सत्ता हासिल की, तब समाजवादी दल को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना पड़ा। 'माय' समीकरण पर्याप्त नहीं था, यह स्पष्ट हो गया। तब इस दल ने तुरंत अपनी राह बदली। वर्ष 2022 के चुनाव से पहले अखिलेश यादव ने एक नया नारा दिया पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक यानी पीडीए। इस नए समीकरण में पिछड़ी जातियों के व्यापक वर्ग को साधने की कोशिश थी। छोटी–छोटी जातियों को मंच देकर, उन्हें टिकट देकर दल ने यह जताने की कोशिश की कि अब वह केवल यादव और मुसलमान का दल नहीं रहा।2024 के लोकसभा चुनाव में पीडीए के नारे ने कुछ असर दिखाया और समाजवादी दल की सीटें बढ़ीं। अखिलेश यादव ने इसे अपनी रणनीति की सफलता बताया। लेकिन जानकारों का मानना है कि यह सफलता भारतीय जनता दल के विरोध में उपजी लहर का परिणाम थी, न कि किसी ठोस सामाजिक बदलाव का। इसके बावजूद समाजवादी दल के नेताओं का आत्मविश्वास आसमान छूने लगा। पीडीए को जादुई मंत्र की तरह प्रचारित किया जाने लगा। अब बंगाल के नतीजों के बाद फिर एक नया मोड़ आया है। हिंदू मतदाताओं को साधने के लिए धार्मिक प्रतीकों का सहारा लिया जा रहा है। यह कोई नई बात नहीं है। मुलायम सिंह यादव भी समय–समय पर मंदिरों में जाते थे, परशुराम जयंती मनाते थे और ब्राह्मण सम्मेलनों में शरीक होते थे। लेकिन उनकी असली राजनीति का धुरा कभी नहीं बदला। यही परंपरा अखिलेश यादव आगे बढ़ा रहे हैं। समाजवादी दल के इस दोहरे चेहरे को समझने के लिए उसके शासनकाल को याद करना जरूरी है। जब दल सत्ता में था, तब दंगों की घटनाएँ हुईं। 2013 में मुजफ्फरनगर की पीड़ा आज भी लोगों के जेहन में ताजा है। उस दौर में पुलिस और प्रशासन पर पक्षपात के आरोप लगे। हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग ने महसूस किया कि उनकी सुरक्षा दाँव पर है। इसी भावना का लाभ उठाकर भारतीय जनता दल ने 2017 में ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। आज जब अखिलेश यादव बजरंग बली की चौपाई लिख रहे हैं, तो क्या वही मतदाता इसे भूल पाएगा?सामाजिक ताने–बाने की दृष्टि से देखें तो समाजवादी दल की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि उसके भीतर का नेतृत्व अभी भी एक ही जाति के इर्द–गिर्द घूमता है। पीडीए का नारा कितना भी ऊँचा हो, जब टिकट बँटवारे की बारी आती है तो यादव और मुसलमान उम्मीदवारों की भरमार नजर आती है। शेष पिछड़ी जातियाँ, दलित और अन्य वर्ग को प्रतीकात्मक भागीदारी मिलती है। यह विरोधाभास मतदाता भली–भाँति जानता है।इसी तरह धार्मिक प्रतीकों का उपयोग भी सतही लगता है। जो दल दशकों से एक विशेष वर्ग के तुष्टीकरण के लिए जाना जाता हो, वह अचानक हनुमान चालीसा गाने लगे तो जनता को यह स्वाभाविक नहीं लगता। मतदाता जानता है कि यह परिवर्तन हृदय से नहीं, मतपेटी से उपजा है। राजनीति में यह दाँव कभी–कभी चल जाता है, लेकिन जागरूक मतदाता के सामने यह ज्यादा देर नहीं टिकता।

उत्तर प्रदेश का मतदाता अब पहले से कहीं अधिक समझदार हो गया है। 2017 और 2022 के चुनावों ने यह सिद्ध कर दिया कि जाति और धर्म के समीकरण तो काम करते हैं, लेकिन शासन की विश्वसनीयता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। जो दल सत्ता में रहते हुए कानून–व्यवस्था नहीं संभाल पाया, जो दल जातिगत भेदभाव के आरोपों से घिरा रहा, वह दल केवल सामाजिक माध्यमों पर तस्वीरें बदलकर जनता का मन नहीं जीत सकता।2027 का विधानसभा चुनाव समाजवादी दल के लिए असली परीक्षा होगी। अखिलेश यादव की नई सामाजिक अभियांत्रिकी कितनी कारगर होगी, यह तो समय ही बताएगा। लेकिन इतना तय है कि केवल नारे बदलने से, केवल प्रतीक बदलने से राजनीति नहीं बदलती। जनता को चाहिए ठोस काम, सुरक्षा और न्याय। समाजवादी दल यदि वास्तव में बदलाव चाहता है तो उसे अपने भीतर झाँकना होगा, अपनी कार्य संस्कृति बदलनी होगी, अपने नेताओं की जवाबदेही तय करनी होगी और जाति की दीवारों से बाहर निकलना होगा। जब तक यह नहीं होता, 'माय' से पीडीए और पीडीए से बजरंगबली तक का यह सफर केवल चुनावी स्वाँग बना रहेगा। और उत्तर प्रदेश का मतदाता इस स्वाँग को पहचानना सीख चुका है।

लहूलुहान लोकतंत्र, क्या बदलेगा बंगाल का हिंसक इतिहास ?

–ओ.पी. पाल–

पश्चिम बंगाल की जनता ने भाजपा को प्रचंड बहुमत देकर एक बदलाव की उम्मीद जताई है लेकिन यदि यह बदलाव केवल 'चेहरों' का है और 'संस्कृति' वही हिंसक रही, तो बंगाल के विकास की राह फिर से अवरुद्ध हो जाएगी। हिंसा का असली कारण केवल 'हताशा' या 'अहंकार' नहीं है बल्कि वह राजनीतिक व्यवस्था है, जहाँ असहमति के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। हालांकि पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा कोई नई घटना नहीं है। 1970 के दशक से लेकर वामपंथी शासन और फिर टीएमसी के कार्यकाल तक, सत्ता का रास्ता हमेशा संघर्षों से होकर गुजरा है। मसलन पश्चिम बंगाल की राजनीति में 'सत्ता' और 'हिंसा' का रिश्ता दशकों पुराना है यानी पश्चिम बंगाल की का शोर अक्सर हिंसा की गूंज के राजनीति में 'सत्ता परिवर्तन' साथ सुनाई देता है लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद जो मंजर दिखा, उसने राज्य के लोकतांत्रिक इतिहास में एक और काला अध्याय जोड़ दिया है।

राज्य के विभिन्न हिस्सों से हिंसा की जो तस्वीरें सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए सुखद नहीं हैं। यहां राजनैतिक दल का कार्यकर्ता केवल समर्थक नहीं, बल्कि एक योद्धा की भूमिका में होता है। शायद यही कारण है कि भाजपा और टीएमसी के शीर्ष नेतृत्व के बीच संवाद की कमी और एक–दूसरे के प्रति 'शत्रुतापूर्ण' भाषा ने निचले स्तर के कार्यकर्ताओं को और उग्र कर दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई औचित्य नहीं हो सकता। यदि भाजपा को राज्य में सुशासन स्थापित करना है, तो उसे 'प्रतिशोध की राजनीति' से ऊपर उठकर कानून का शासन स्थापित करना होगा। वहीं टीएमसी को एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में जनादेश को स्वीकार कर अपने कार्यकर्ताओं को शांत करना होगा। प्रशासन को चाहिए कि वह दोषियों की पहचान दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, डीजीपी और पुलिस कमिश्नर को सख्त निर्देश दिए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि उपद्रवियों को किसी भी राजनीतिक संरक्षण के बावजूद जेल भेजा जाए। चुनाव खत्म होने के बावजूद 700 से अधिक कंपनियां राज्य में रोकी गई हैं, ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। अक्सर पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान तो सुरक्षा बल तैनात रहते हैं, लेकिन परिणामों के बाद स्थानीय पुलिस पर अक्सर 'मूकदर्शक' होने के आरोप लगते हैं। इस बार चुनाव आयोग ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। शायद आयोग राज्य में स्थिति की गंभीरता को समझ रहा है। इसी कारण केंद्रीय बलों को तैनात रखना और उपद्रवियों को सीधे जेल भेजने का फरमान प्रशासन की साख बचाने की आखिरी कोशिश है।

बंगाल में के बीरभूम के नानूर में टीएमसी कार्यकर्ता अबीर शेख की गला रेतकर हत्या और कोलकाता के न्यू टाउन में भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल की पीट–पीटकर हत्या इस हिंसा की क्रूरता को दर्शाती है। पिछले 24 घंटों में भाजपा और टीएमसी दोनों दलों के कम से कम 2–2 कार्यकर्ताओं की जान जा चुकी है। कोलकाता के न्यू मार्केट में टीएमसी दफ्तर को बुलडोजर से गिराना और आसनसोल, सिलीगुड़ी, हावड़ा में कार्यालयों को आग के हवाले करना यह बताता है कि यह केवल कार्यकर्ताओं की झड़प नहीं, बल्कि 'वर्चस्व' को खत्म करने की लड़ाई है। मुर्शिदाबाद में लेनिन की प्रतिमा को गिराना वैचारिक विद्वेष का प्रतीक बनकर उभरा, जो त्रिपुरा की 2018 की घटनाओं की याद दिलाता है। ये घटनाएँ दर्शाती हैं कि चुनावी रंजिश अब व्यक्तिगत दुश्मनी में बदल चुकी है। बंगाल में राजनीतिक दल केवल विचारधारा नहीं, बल्कि 'पाड़ा' (इलाके) पर नियंत्रण के लिए लड़ते हैं। सत्ता बदलते ही निचले स्तर के कार्यकर्ताओं में इलाके पर कब्जा करने की होड़ मच गई। लेनिन की मूर्ति का गिराया जाना या विपक्षी दल के झंडे फाड़ना केवल संपत्ति का नुकसान नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल करने की कोशिश है।

पश्चिम बंगाल में 4 मई 2026 को आए चुनावी नतीजों ने न केवल राज्य की राजनीति को बदल दिया, बल्कि राजनीतिक संघर्ष के एक नए युग की की शुरुआत भी कर दी। जहां 2021 में भाजपा 77 सीटों पर रुकी थी, वहीं इस बार उसने दो–तिहाई बहुमत (207 सीटें) प्राप्त कर राज्य की राजनीति का ध्रुवीकरण अपनी ओर कर लिया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का अपने ही गढ़ भवानीपुर से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के हाथों हारना, इस हार की गंभीरता को और गहरा कर देता है ऐसा लगता है कि इस हिंसा के पीछे दो विपरीत मनोवैज्ञानिक स्थितियाँ काम कर रही हैं, जिन पर दोनों दलों के अपने–अपने तर्क हैं। टीएमसी की हताशा भी स्वाभाविक है जहां 15 साल तक निर्बाध शासन करने के बाद इतनी बड़ी हार को स्वीकार करना टीएमसी के जमीनी कार्यकर्ताओं के लिए कठिन रहा है और निचले स्तर के कार्यकर्ताओं को अपनी सुरक्षा और आर्थिक हितों के खत्म होने का डर है। माना जाता है कि जब भी किसी कैडर–आधारित पार्टी की हार होती है, तो उसका निचला स्तर या तो रक्षात्मक हिंसा करता है या पलायन। कई जगहों पर हार के बाद टीएमसी के भीतर गुटबाजी उभरी है, जिसे 'भाजपा के हमले' का नाम देकर दबाने की कोशिश की जा रही है। वैसे भी कई दशकों से बंगाल की

'विजेता सब कुछ ले जाता है' की तर्ज पर चली है। सत्ता खोने का अर्थ है कि सरकारी संरक्षण का जाना, थानों में सुनवाई बंद होना और आर्थिक प्रभाव का कम होना। वहीं भाजपा का विजय के बाद पनपे उन्माद की दृष्टि पर गौर करें तो भाजपा ने दशकों के संघर्ष के बाद बंगाल में अपनी सरकार बनाई है। कई विश्लेषकों का मानना है कि लंबे समय तक टीएमसी के दमन का सामना करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं में 'बदले की भावना' या 'विजय का अहंकार' दिखाई दे रहा है। विजय रैलियों के दौरान हुई झड़पें इसी आक्रामकता का परिणाम हैं।(युवराज फीचर्स) ओ.पी. पाल

इंस्टाग्राम के जरिए युवाओं को बना रहे थे 'फुट सोल्जर', एटीएस ने दो को दबोचा-हथियार और 'चैट्स' बरामद

संवाददाता-कुशीनगर। एटीएस की पूछताछ में खुलासा हुआ कि कृष्णा मिश्रा के मोबाइल में ऐसे वीडियो मिले हैं, जिनमें हैंडलर्स ने किसी वर्दीधारी व्यक्ति को गोली मारकर उसका वीडियो भेजने का टास्क दिया था। साथ ही रेकी का वीडियो भी बरामद हुआ है, जिसमें कृष्णा और उसके साथियों को हमले के निर्देश दिए जा रहे थे। जिले के रविंद्र नगर थाना क्षेत्र के बेलवा मिश्र निवासी कृष्ण मिश्रा को उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) तीन दिन पूर्व इसके घर से गिरफ्तार कर लिया। इसके साथी की गिरफ्तारी के बाद कृष्णा के घर एटीएस पहुंची थी जो पाकिस्तान से संचालित नेटवर्क के संपर्क में रहकर संवेदनशील ठिकानों और वर्दीधारी व्यक्तियों पर हमले की साजिश रच रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दानियाल अशरफ (23) निवासी बाराबंकी और कृष्णा मिश्रा (20) निवासी कुशीनगर के बेलवा मिश्र गांव के रूप में हुई है। कृष्णा की गिरफ्तारी के बाद आस-पास के लोग सन्न रह गए। साथ में रहने वाली मां को भी बेटे की करतूत के बारे में जानकारी नहीं थी। बेटे की गिरफ्तारी के बाद नशा मुक्ति केंद्र में भेजे गए पिता छोटेलाल घर आ गए हैं।

जटहा बाजार थाना क्षेत्र के हरपुर गांव निवासी छोटेलाल मिश्र चार भाई हैं। तीन भाई हरपुर गांव में ही रहते हैं, जबकि छोटेलाल करीब एक दशक पहले रविंद्र नगर थाना क्षेत्र के बेलवा मिश्र गांव में जमीन खरीदकर अपनी मकान बनवा ली। नशे के आदि थे, इनका एक बेटा कृष्ण और एक बेटी हैं, कृष्णा छोटा था, लेकिन नशा का सेवन यह भी करता था। कुछ माह पूर्व छोटेलाल को नशा मुक्ति केंद्र में परिजन पहुंचाए थे और बेटे को लेकर मां हरियाणा में रहती थी। सूत्रों ने बताया कि आरोपी पाकिस्तानी हैंडलर्स हजाद भट्टी, आबिद जट और हम्माद के संपर्क में थे। इनके मोबाइल फोन से वीडियो कॉल, वॉइस नोट्स, व्हाट्सएप चैट और देश-विरोधी बातचीत के साक्ष्य मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया कि सोशल मीडिया, खासकर इंस्टाग्राम के जरिए इन युवकों को फंसाया गया और उन्हें 'हीरो' बनाने का झांसा देकर आतंकी गतिविधियों में शामिल करने की कोशिश की गई।

एटीएस की पूछताछ में खुलासा हुआ कि कृष्णा मिश्रा के मोबाइल में ऐसे वीडियो मिले हैं, जिनमें हैंडलर्स ने किसी वर्दीधारी व्यक्ति को गोली मारकर उसका वीडियो भेजने का टास्क दिया था। साथ ही रेकी का वीडियो भी बरामद हुआ है, जिसमें कृष्णा और उसके साथियों को हमले के निर्देश दिए जा रहे थे।

दानियाल अशरफ ने एक अन्य राज्य के पुलिस स्टेशन की रेकी कर उसका वीडियो भी हैंडलर्स को भेजा था और हमले के लिए पैसे व हथियार की मांग की थी। एटीएस की जांच में कृष्णा की लोकेशन बेलवा मिश्र गांव में मिल रही थी। इसके पास से जांच एजेंसी ने मोबाइल, लैपटॉप के अलावा असलहा भी बरामद किया है। बरामद मोबाइल में पाकिस्तानी नंबर लगातार चौटिंग व बातचीत की जानकारी मिली है। कृष्णा के इंस्टाग्राम और फेसबुक फ्रेंड लिस्ट में शामिल लोगों की गतिविधियों के बारे में स्थानीय पुलिस की मदद से एटीएस जानकारी जुटा रही है।

अपने आप कर सकते हैं स्वगणना, सरल है विधि -डीएम

संवाददाता-श्रावस्ती। गुरुवार को स्वगणना का शुभारंभ कलेक्ट्रेट से किया गया है। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्वगणना का शुभारंभ किया। इसके साथ ही रजिस्ट्रेशन का सरल तरीका बताया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रशासन की ओर से स्वगणना कार्यक्रम की शुरुआत की गई। डीएम अन्नपूर्णा गर्ग ने बताया कि सरकार ने पहली बार स्वगणना की सुविधा दी है। इस सुविधा का लाभ लेकर कोई भी नागरिक अपनी सुविधानुसार अपनी समस्त जानकारियां दर्ज कर सकता है। जानकारियां दर्ज कर समिट करने के उपरांत एक रजिस्ट्रेशन नंबर आपके मोबाइल और इमेल पर आ जायेगा जिसके माध्यम से जनगणना प्रगणक आपकी डिटेल को वेरीफाई कर सकेंगे।

यह प्रक्रिया बहुत सरल सहज और विश्वसनीय है। स्वयं की जानकारी देने पर त्रुटि और विश्वसनीयता का कोई संकट नही है। उन्होंने बताया कि कोई भी भारतीय नागरिक एक लिंक का प्रयोग करके अपनी गणना दर्ज करा सकते हैं। इस कार्यक्रम में विधायक दद्दन मिश्रा, विधायक राम फेरन पाण्डेय, सीडीओ शाहिद अहमद, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रो मिश्रीलाल वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष उदय त्रिपाठी,अपर जिलाधिकारी विख्या अमरेंद्र कुमार वर्मा, वरिष्ठ कोषाधिकारी, समाज कल्याण अधिकारी डॉ अमरनाथ यति, खनन अधिकारी विवेक कुमार, आपदा विशेषज्ञ डॉ अरुण कुमार मिश्र समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारियों ने स्वगणना प्रक्रिया का अनुपालन कर अपनी गणना की।

एक करोड़ की नशीली दवाओं के साथ तीन अंतरजनपदीय तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता-महराजगंज। श्यामदेउरवा पुलिस ने नशीली दवाओं की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन अंतरजनपदीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से भारी मात्रा में प्रतिबंधित कैप्सूल व टैबलेट बरामद की गई हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी गई है। एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर आरोपितों को जेल भेज दिया गया।

पुलिस कार्यालय में गुरुवार को एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने गुरुवार को मामले का खुलासा किया। एसपी ने बताया कि एडीजी गोरखपुर जोन अशोक मुथा जैन और डीआईजी एस. चनप्पा के निर्देश पर जिले में ड्रग तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में एएसपी सिद्धार्थ के मार्गदर्शन व सीओ सदर अकुर गौतम के पर्यवेक्षण में श्यामदेउरवा थाना प्रभारी अभिषेक सिंह की टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की। पुलिस टीम ने ग्राम श्यामदेउरवा स्टेडियम के पास से तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया। तलाशी में उनके पास से 26 पैकेट ट्रैमाडोल कैप्सूल से 6240 कैप्सूल, 73 पैकेट एलजोमैक टैबलेट से 43800 गोलियां व अल्ट्राप्रार नियो टैबलेट के 25 बॉक्स में 3750 गोलियां बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रामसमुझ केवट निवासी खरोहवा थाना बेलीपार, नवीन कुमार गौतम निवासी अधियारीबाग उत्तरी थाना गोरखनाथ व संदीप कुमार निवासी डोहरिया थाना तिवारीपुर, जनपद गोरखपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार तीनों पिछले करीब तीन माह से तस्करी के धंधे में सक्रिय थे। किराये की गाड़ियों का इस्तेमाल कर नशीली दवाएं विभिन्न स्थानों तक पहुंचाते थे। पूछताछ में सामने आया कि तीनों गोरखपुर में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के रूप में भी काम कर चुके हैं।

पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ थाना श्यामदेउरवा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय भेज दिया है। कार्रवाई करने वाली टीम में एसआई अभिजीत कुमार, सुनील कुमार सिंह, अनिकेत सिंह, कांस्टेबल धीरज गिरि, अविनाश सिंह, पंकज यादव, अरुण यादव व आशीष यादव शामिल रहे।

एसपी ने न्यायालय के पैरोकारों संग की गोष्ठी

संवाददाता-महराजगंज। जिले में अभियोजन कार्यों को प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने पुलिस कार्यालय में सभी थानों के सत्र न्यायालय एवं अवर न्यायालय के पैरोकारों के साथ गोष्ठी की। पैरवी कार्यों की समीक्षा करते हुए जरूरी निर्देश दिया।गोष्ठी के दौरान काज लिस्ट वर्ष 2025 एवं 2026 तथा पैरवी रजिस्टर वर्ष 2025 एवं 2026 में की गई प्रविष्टियों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में न्यायालयों में लंबित वादों की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने, अभियोजन साक्ष्यों की समय से उपलब्धता, गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने तथा वादों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने समस्त पैरोकारों को निर्देशित किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण गंभीरता एवं उत्तरदायित्व के साथ करें। न्यायालयी कार्यवाही में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। साथ ही अभिलेखों का अद्यतन रख-रखाव एवं समुचित अनुश्रवण सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। गोष्ठी में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अभियोजन कार्यों में और अधिक सुधार लाने के लिए एसपी ने प्रेरित किया।

महिला को कई ट्रकों ने रौंदा, मौत, शव कचरा गाड़ी से पोस्टमार्टम हाउस भेजा

संवाददाता-महराजगंज। फरेंदा कस्बे में बुधवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में 45 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसा पुलिस बूथ के पास हुआ, जहां दवा लेने जा रही महिला अज्ञात ट्रक की चपेट में आ गई। मृतका की पहचान विमला देवी (45) पत्नी स्वर्गीय छेदी, निवासी वार्ड नंबर-2 कल्याणपुरम टोला जगदीशपुर के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, वह अपने बेटे के साथ बाइक से दवा लेने जा रही थीं। सुबह करीब 5रू30 बजे महराजगंज की ओर जा रहे एक अज्ञात ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिर गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पीछे से आ रहे अन्य ट्रकों ने भी उन्हें रौंद दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। एम्बुलेंस उपलब्ध न होने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए कचरा ढोने वाली गाड़ी से भेजा गया, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई। लोगों ने इसे स्वास्थ्य और आपातकालीन व्यवस्था की लापरवाही बताया। हादसे के बाद सभी ट्रक चालक मौके से फरार हो गए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और ट्रकों की पहचान में जुटी है। वहीं, स्थानीय लोगों ने कस्बे में भारी वाहनों की तेज रफ्तार आवाजाही और खराब यातायात व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं।

फरेंदा थाना अध्यक्ष योगेंद्र राय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और फरार ट्रक चालकों की तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है।

खाद वितरण के लिए ऐप लॉन्च, अब किसानों को मैसेज से मिलेगी खाद लेने की सूचना

संवाददाता-बलरामपुर। खरीफ सीजन में सहकारी समितियों पर उर्वरक वितरण व्यवस्था को पारदर्शी, व्यवस्थित और किसान हितैषी बनाने के लिए जिला प्रशासन व सहकारिता विभाग ने विशेष मोबाइल ऐप आधारित व्यवस्था शुरू की है। गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विकास खंड गैंडास बुजुर्ग के ग्राम इटईरामपुर के 100 किसानों को खाद प्राप्त करने की तिथि और समय संबंधी संदेश भेजकर इस नई व्यवस्था का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने कहा कि किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह व्यवस्था लागू की गई है। अब किसानों को खाद लेने के लिए सहकारी समितियों पर घंटों लाइन में नहीं लगना पड़ेगा। उनको पंजीकृत मोबाइल नंबर पर मैसेज और कॉल के माध्यम से खाद प्राप्ति की तिथि और समय की जानकारी दी जाएगी, जिससे भीड़ नियंत्रण के साथ पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने बताया कि जनपद की 73 सहकारी समितियों पर समिति सदस्य किसानों को इसी ऐप आधारित प्रणाली से खाद वितरण किया जाएगा। किसानों के रकबे सहित सभी आवश्यक विवरण ऐप में फीड किए जा चुके हैं। सहकारिता विभाग की ओर से किसानों को कार्ड भी वितरित किए गए हैं, जिन्हें दिखाकर निर्धारित समय पर आसानी से खाद प्राप्त की जा सकेगी। डीएम ने कहा कि नई व्यवस्था से खाद वितरण प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी व समयबद्ध बनेगी। किसानों को अनावश्यक प्रतीक्षा और परेशानियों से राहत मिलेगी। जिला प्रशासन की यह पहल डिजिटल और स्मार्ट व्यवस्था के माध्यम से खाद वितरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस दौरान सदर विधायक पल्टूराम, तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ल, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्र, बीडीओ हिमांशु गुप्त, उप कृषि निदेशक श्याम नारायण राम, जिला कृषि अधिकारी उपेंद्रनाथ खरवार और प्रभारी सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता राजेश यादव आदि मौजूद रहे।

सभासद उपचुनाव में साजिद सिद्दकी और अकबाल आलम जीते

संवाददाता-गोंडा। जिले की करनैलगंज नगर पालिका परिषद के दो वार्डों में हुए उपचुनाव के परिणाम आज घोषित कर दिए गए हैं वार्ड नंबर 25 से साजिद सिद्दकी और वार्ड नंबर 16 से अकबाल आलम ने जीत दर्ज की है। मतगणना सुबह 8 बजे से शुरू होकर 10 बजे तक पूरी हो गई। वार्ड नंबर 25 भैरवनाथपुरम में कुल 576 वोटों की गिनती की गई। इसमें साजिद सिद्दकी को 504 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी राहत सिद्दीकी को 66 वोट प्राप्त हुए। चार वोट नोटा को गए और दो वोट अवैध घोषित हुए। साजिद सिद्दकी ने 438 वोटों के बड़े अंतर से यह उपचुनाव जीता। इसी तरह, वार्ड नंबर 16 सकरौर पूर्वी के चुनावी परिणाम भी सामने आए हैं।

यहां कुल 649 वोट पड़े थे, जिनमें से अकबाल आलम को 348 वोट मिले। उनके प्रतिद्वंद्वी साबिर को 294 वोट प्राप्त हुए, जबकि 7 वोट अवैध घोषित किए गए। अकबाल आलम ने साबिर को 54 वोटों से हराकर जीत हासिल की। इन उपचुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया 10 अप्रैल से 16 अप्रैल तक चली थी। मतदान 5 मई को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुआ था। आज 7 मई को भी कड़ी सुरक्षा के बीच चुनावी परिणाम घोषित किए गए। यह सीटें पूर्व में निर्वाचित

सभासदों के निधन के कारण रिक्त हुई थीं। इसके बाद, जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन द्वारा उपचुनाव कराए जाने की अधिसूचना जारी की गई थी। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी गोंडा पंचायत एवं नगर निकाय नारायण ने बताया कि यहां पर चुने प्रक्रिया पूरी तरीके से संपन्न हो गई है चुनावी परिणाम में घोषित कर दिए गए हैं दोनों जीते हुए सभासद को प्रमाण पत्र दे दिया गया है।

10 अप्रैल से यहां पर चुनावी प्रक्रिया संपन्न हुई थी जो आज 7 मई को पूरी तरीके से संपन्न हो गई है दोनों उपचुनाव में चार प्रत्याशी आमने-सामने थे। जहां वार्ड नंबर 25 से साजिद सिद्दकी को विजय मिली है जबकि वार्ड नंबर 16 से अकबाल आलम को विजय मिली है दोनों जीते हुए सभासदों को निर्देश दिया गया है कि कोई भी विजय जुलूस इनके द्वारा नहीं निकाला जाएगा। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी गोंडा पंचायत एवं नगर निकाय नारायण ने बताया कि यहां पर चुने प्रक्रिया पूरी तरीके से संपन्न हो गई है चुनावी परिणाम में घोषित कर दिए गए हैं दोनों जीते हुए सभासद को प्रमाण पत्र दे दिया गया है। 10 अप्रैल से यहां पर चुनावी प्रक्रिया संपन्न हुई थी जो आज 7 मई को पूरी तरीके से संपन्न हो गई है दोनों उपचुनाव में चार प्रत्याशी आमने-सामने थे। जहां वार्ड नंबर 25 से साजिद सिद्दकी को विजय मिली है जबकि वार्ड नंबर 16 से अकबाल आलम को विजय मिली है दोनों जीते हुए सभासदों को निर्देश दिया गया है कि कोई भी विजय जुलूस इनके द्वारा नहीं निकाला जाएगा।

स्व-गणना अभियान शुरूः परिवार को मिलेगा यूनिक पहचान संख्या

संवाददाता-देवरिया। गुरुवार से स्व-गणना अभियान की शुरुआत हो गई है। इस अभियान का उद्देश्य जनगणना प्रक्रिया को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाना है। इसके तहत प्रत्येक परिवार को एक विशिष्ट पहचान संख्या (यूनिक नंबर) प्रदान की जाएगी। तहसीलदार एवं जनगणना चार्ज अधिकारी अलका सिंह ने बताया कि स्व-गणना अभियान 7 मई से 21 मई तक चलेगा। इस अवधि में नागरिक स्वयं अपने मकान और परिवार से संबंधित जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद, 22 मई से 20 जून तक प्रगणक घर-घर जाकर शेष परिवारों का डेटा एकत्र करेंगे और मकान जनगणना का कार्य पूरा करेंगे। अभियान की शुरुआत से पहले सभी तहसीलों में सुपरवाइजरों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। तहसील सभागार में आयोजित बैठक में कर्मचारियों को स्व-गणना प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई और उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करने तथा प्रत्येक परिवार का सही एवं पूर्ण विवरण दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। मास्टर ट्रेनर डॉ. गोविंद मिश्रा और शिशिर कुमार राय ने बताया कि स्व-गणना के दौरान प्रत्येक परिवार से संबंधित 33 बिंदुओं पर जानकारी भरनी होगी। इसमें मकान, परिवार के सदस्यों और अन्य सामाजिक-आर्थिक विवरण शामिल हैं। उन्होंने कर्मचारियों को डेटा प्रविष्टि में सावधानी बरतने और सटीक जानकारी दर्ज करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने यह भी बताया कि प्रत्येक परिवार को एक विशेष स्व-गणना पहचान संख्या (यूनिक नंबर) प्रदान की जाएगी। यह नंबर आगामी जनगणना प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और पूरी व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित बनाएगा। नागरिक'जिजचेस्ब्क्षेम.बमदेने.हवअ.पद पर जाकर स्व-गणना कर सकते हैं। इसके लिए मोबाइल नंबर के माध्यम से ओटीपी से लॉगिन करना होगा। फिर मकान से संबंधित जानकारी, परिवार के सभी सदस्यों का विवरण और कुल 33 बिंदुओं पर आवश्यक जानकारी भरनी होगी। सभी विवरणों की जांच के बाद फाइनल सबमिट करने पर स्व-गणना पहचान संख्या प्राप्त होगी। बैठक में जनगणना अधिकारी जीतेंद्र सिंह, रजनीश मिश्रा, अनुज वर्मा, अतुल यादव, ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

तंत्र-मंत्र के नाम पर करोड़ों की ठगी, मुस्लिम से हिंदू बनकर कराते थे पूजा, 5 गिरफ्तार

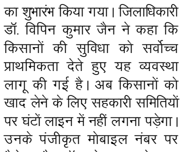

संवाददाता-गोंडा। नगर कोतवाली पुलिस ने पूजा-पाठ और तंत्र-मंत्र के नाम पर लोगों को ठगने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का खुलासा किया है। आरोपी शिव शक्ति ज्योतिष एवं आध्यात्मिक अनुसंधान केंद्र के नाम से फर्जी कॉल सेंटर चलाते थे। पुलिस ने ठगी करने वाले 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से नकदी, सोने-चांदी के जेवरात, फर्जी पहचान पत्र, मोबाइल फोन और फर्जी नंबर प्लेट लगी कार बरामद हुई है। वहीं गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नमशेर, हसरत अली, इमरान, इरशाद और तोहिद के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, इनके पास से 1 लाख 99 हजार 500 रुपए नकद, भारी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण, पांच फर्जी निर्वाचन पहचान पत्र, 25 मोबाइल फोन और एक कार बरामद हुई है। जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी अजीत कुमार रजक और सीओ नगर आनंद राय ने पूरे गिरोह का खुलासा किया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी बुलंदशहर और मेरठ के रहने वाले हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी मुस्लिम समुदाय से होने के बावजूद हिंदू नामों का इस्तेमाल कर लोगों को झांसे में लेते थे। गिरोह के सदस्य ज्योतिष, वास्तु और कर्मकांड से संबंधित समस्याओं के समाधान का दावा करने वाले पोस्टर और पर्चे छपवाते थे। इन्हें अलग-अलग इलाकों में चिपकाने के साथ अखबारों में रखकर लोगों के घरों तक पहुंचाया जाता था। जब लोग विज्ञापन देखकर संपर्क करते थे, तो उन्हें गोंडा स्थित कार्यालय बुलाया जाता था। वहां प्रारंभिक पूजा-पाठ के बाद आरोपी पीड़ितों के घर पहुंचते थे और पूजा सामग्री के नाम पर सोने-चांदी के जेवरात मांग लेते थे। इन आभूषणों को कलश में रखकर पूजा शुरू की जाती थी। बाद में आरोपी उसी कलश में सांप रखकर परिवार को डराते थे और कहते थे कि घर के देवता नाराज हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी परिवार को भयभीत कर मोटी रकम ऐंठते थे और कहते थे कि विशेष पूजा प्रयागराज या अन्य स्थानों पर करानी पड़ेगी। इसके बाद वे कलश को 21 दिन तक न खोलने की हिदायत देकर फरार हो जाते थे। गिरोह का मास्टरमाइंड शफीक उर्फ पंडित रामस्वरूप शर्मा समेत पांच अन्य आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस टीमें उनकी तलाश में लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस का कहना है कि गिरोह ने बहराइच के दरगाह शरीफ क्षेत्र सहित कई जिलों में इसी तरह लोगों को ठगी का शिकार बनाया है। मामले का खुलासा दडुआ बाजार सोनार गली निवासी राजीव रस्तोगी की शिकायत के बाद हुआ। राजीव ने 27 अप्रैल को नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया कि नवंबर 2025 में उन्हें एक अखबार में शिव शक्ति ज्योतिष एवं आध्यात्मिक अनुसंधान केंद्र का विज्ञापन मिला था। उसमें दिए गए नंबर पर संपर्क करने के बाद उन्हें गोंडा स्थित कार्यालय बुलाया गया। राजीव के मुताबिक, समस्याओं के समाधान के नाम पर 42 दिन तक पूजा-पाठ कराया गया। बाद में आरोपी उनके घर पहुंचे और 27 से 30 मार्च 2026 तक पूजा कराने के दौरान घर और दुकान में रखे करीब 750 ग्राम सोने के जेवरात, 750 ग्राम चांदी तथा तांबा-पीतल का सामान एक स्टील के डिब्बे में रखवा लिया। पीड़ित ने बताया कि पूजा के दौरान आरोपियों ने डिब्बा खोलकर उसमें काला सांप दिखाया, जिससे पूरा परिवार डर गया। इसके बाद आरोपियों ने कहा कि देवता बहुत नाराज हैं और प्रयागराज गंगा तट पर विशेष पूजा कराने के नाम पर 2 लाख रुपए मांगे। अनिष्ट होने का डर दिखाकर उन्होंने परिवार से 2 लाख रुपए भी ले लिए। राजीव रस्तोगी ने बताया कि आरोपी बाद में यह कहकर चले गए कि पूजा पूरी होने तक कोई कलश या पूजा स्थल को न खोले। काफी समय बीतने के बाद जब आरोपी वापस नहीं आए और फोन बंद हो गए, तब परिवार ने कमरे का ताला खोलकर देखा तो सारा जेवरात और सामान गायब था।

पेट्रोल खत्म होने पर पैदल चल रहे युवक को वाहन ने रौंदा,मौत

संवाददाता-गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा-अयोध्या हाईवे पर बुधवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। शोभापुर गांव के निकट कोल्ड स्टोर तिराहे पर तेज रफ्तार चौपहिया वाहन की चपेट में आए युवक की घटनास्थल पर ही सांसे थम गईं, जबकि उसके साथ मौजूद छोटा भाई सुरक्षित बच गया। हादसे के बाद वाहन चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया। सूचना मिलते ही युवक के घर में कोहराम मच गया। बुधवार की रात करीब बारह बजे लौव्वा वीरपुर गांव निवासी वीरेंद्र यादव (30) पुत्र विजय बहादुर यादव अपने छोटे भाई इंद्रजीत के साथ अयोध्या से बाइक पर घर लौट रहे थे। जैसे ही वे कस्बे के कोल्ड स्टोर तिराहे के पास पहुंचे, बाइक का पेट्रोल अचानक खत्म हो गया। कोई विकल्प न देख दोनों भाई बाइक को धकेलते हुए पैदल ही पास के पेट्रोल पंप की ओर बढ़ने लगे।

तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार चौपहिया वाहन ने वीरेंद्र को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वे मौके पर ही गिर पड़े और उनकी तत्काल मृत्यु हो गई। छोटा भाई इंद्रजीत बाल-बाल बच गया। हादसे के बाद वाहन चालक रुकने की बजाय गाड़ी दौड़ाकर अंधेरे में गायब हो गया। सूचना मिलते ही एसओ अभय सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया है। फरार वाहन की पहचान और चालक की तलाश के लिए जांच शुरू कर दी गई है। हादसे की खबर लौव्वा वीरपुर गांव पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। घर में मातम का माहौल है और परिजन सदमे में हैं।

मानदेय व भत्ता दिलाने की मांग को लेकर मिशन प्रबंधकों ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता-बहराइच। बलहा विकास खंड में कार्यरत ब्लॉक मिशन प्रबंधकों ने लंबित मानदेय और यात्रा भत्ते के भुगतान को गुरुवार को सहायक विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र ही भुगतान कराने की मांग की है। कर्मचारी शैलेंद्र वर्मा का कहना है कि वे कठिन परिस्थितियों में लगातार अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। 6 माह से मानदेय नहीं मिला है। इसके अलावा एफआरटीए यात्रा भत्ता भी 15 माह से नहीं मिला है। फील्ड स्तर पर कार्यरत समूह सखी, आजीविका सखी और आईसीआरपी - 5 कैडर का मानदेय तीन वर्षों से बकाया है, जिससे आजीविका चलाने में गंभीर संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों ने कहा कि लगातार बिना भुगतान कार्य करने से आर्थिक, मानसिक और पारिवारिक समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

फर्जी बैनामों से सरकारी अभिलेखों में की थी हेराफेरी, वांछित आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता-गोंडा। आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने गोंडा जिले में हुए बहुचर्चित भूमि घोटाले में एक और बड़ी सफलता हासिल की है। एसआईटी ने खरगुपुर थाना क्षेत्र के लंबे समय से फरार चल रहे वांछित आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रामकरन वर्मा, पुत्र स्व. चेतराम, निवासी रमनगरा, पोस्ट पिरवरतारा, थाना खरगुपुर के रूप में हुई है। उस पर जालसाजी, धोखाधड़ी और कूटरचना समेत कई संगीन धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। जांच में सामने आया कि जिले में भू-माफिया का एक संगठित गिरोह सक्रिय था। गिरोह ने सरकारी और निजी जमीनों के फर्जी विलेख तैयार कर निबंधन कार्यालय सदर गोंडा के अभिलेखागार में सेंध लगाई। मूल दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ कर फर्जी विलेखों को असली सरकारी रिकॉर्ड में शामिल कर दिया गया, जिससे बड़े पैमाने पर भूमि की हेराफेरी की गई। घोटाले का पर्दाफाश तब हुआ जब सदर तहसील के सब-रजिस्ट्रार ने जांच के दौरान तमाम फर्जी प्रकरणों को उजागर किया। इसके बाद थाना कोतवाली नगर में कई मुकदमे दर्ज किए गए।मामले की गंभीरता को देखते हुए शासन ने सभी प्रकरणों की जांच एसआईटी लखनऊ को सौंप दी। अब तक इस घोटाले से जुड़े कुल 50 मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। ईओडब्ल्यू के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि घोटाले में शामिल अन्य फरार आरोपियों की सघन तलाश जारी है और सरकारी रिकॉर्ड से छेड़छाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

मंदिर केवल पूजा स्थल नहीं, समाज की चेतना के केंद्र हैं –चंपत राय

संवाददाता–गोरखपुर। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि मंदिर हमेशा से समाज की जागृत के केंद्र रहे हैं। वह गगहा के पास सिहाइजपार गांव में बाबा गरीब नाथ सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित भगवान श्री राम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की मूर्ति स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा समारोह को गुरुवार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। चंपत राय ने कहा कि मंदिरों में देवताओं की आराधना होती ही थी, साथ ही पाठशालाएं भी होती थीं। इस मंदिर में भी पाठशाला है। मंदिरों में कभी न कभी व्यायामशाला व धर्मशालाएं भी होती थीं। जहां दूर–दराज से आने वाले व्यापारी व राहगीरों को ठहरने की जगह मिलती थी। उनके भोजन प्रबंध के लिए पाकशाला भी हुआ करती थी। मंदिरों में विवाह, मुंडन आदि संस्कार भी होते थे। इन सब प्रकार के आयोजनों का मंदिर केंद्र था, जो समाज की जागृति के लिए आवश्यक थे। मंदिरों में जलाशय भी हुआ करते थे, जो अपने आसपास की भूमि को बंजर नहीं होने देते थे। इस तरह मंदिरों की समाज में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका थी, यह हमारे जीवन का हिस्सा है।

कहा कि आज के परिवेश में हम आग्रह करते हैं कि जब भी माताएं मंदिर आएं, घर के छोटे बच्चों को जरूर ले आएं यदि बच्चे मंदिर आएंगे तो उनके हृदय व मन पर सात्विक प्रभाव पड़ेगा, जो उनके संस्कारों को अच्छा बनाएगा। इस दृष्टि से यह मंदिर प्रेरणा का केंद्र है। आसपास के लोगों को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए कि यदि वहां मंदिर हैं तो उन्हें सामाजिक चेतना का केंद्र बनाने का प्रयास करें। बाबा गरीब नाथ सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ शिव शंकर शाही ने आभार प्रकट किया।

सपा सरकार बनी तो पुरानी पेंशन बहाल होगी –माता प्रसाद पांडेय

संवाददाता–गोरखपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (ठकुराई गुट) के 63वें प्रांतीय वार्षिक अधिवेशन एवं विचार संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर गोकुल अतिथि भवन पहुंचे उत्तर प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर प्रदेश में पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल की जाएगी। उन्होंने कहा कि आज शिक्षकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने अस्तित्व को बचाने की है। वर्तमान समय में अध्यापकों को स्वतंत्र रूप से कार्य नहीं करने दिया जा रहा है। माध्यमिक शिक्षा अधिनियम में कहीं भी शिक्षकों से जनगणना का कार्य का प्रावधान नहीं है, फिर भी उन्हें लगातार शिक्षण कार्य से इतर जिम्मेदारियों में लगाया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि शिक्षक केवल अपनी समस्याओं तक सीमित न रहें, बल्कि समाज में फैली बुराइयों के खिलाफ भी आवाज उठाएं। यदि शिक्षक अपनी गरिमा और पहचान बनाए रखना चाहते हैं तो उन्हें सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद शिक्षा विभाग की कमान किसी शिक्षाविद् को नहीं मिली, ऐसे में शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं समझा गया।

उन्होंने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के करीब 41 हजार प्राथमिक विद्यालयों में इस सत्र में अब तक एक भी प्रवेश न होना बेहद चिंताजनक है। जिस देश की शिक्षा व्यवस्था कमजोर होती है, वह देश प्रगति नहीं कर सकता।

माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि आज शिक्षक भयभीत है और भयभीत शिक्षक न तो अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर सकता है और न ही अपनी उपलब्धियों की रक्षा कर सकता है। शिक्षकों को सरकार से यह मांग करनी चाहिए कि उनसे केवल शिक्षण कार्य लिया जाए। माता प्रसाद ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार शिक्षकों एवं कर्मचारियों के उत्पीड़न पर उतारू है तथा आउटसोर्सिंग के माध्यम से संस्थाओं को निजीकरण की दिशा में ले जाया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव शिक्षकों के साथ खड़े हैं। उन्होंने शिक्षामित्रों के मुद्दे पर कहा कि भाजपा सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुपालन का श्रेय लेने का प्रयास कर रही है, जबकि संबंधित प्रावधान समाजवादी सरकार के समय से ही मौजूद थे।जिलाध्यक्ष हीरालाल गौड़ ने संगठन की मांगों को रखते हुए कहा कि पुरानी पेंशन बहाल की जाए, कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू की जाए, सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों का राजकीयकरण किया जाए तथा शिक्षकों की सेवा सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। अधिवेशन में बड़ी संख्या में शिक्षक प्रतिनिधियों ने भाग लिया और शिक्षा व शिक्षक हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई

7 थानों के थानाध्यक्ष बदले, 10 अधिकारियों को नई जिम्मेदारी मिली, चंद्रकांत पांडे एसओजी प्रभारी नियुक्त

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। कानून–व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से डॉ. अभिषेक महाजन ने गुरुवार को पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया। इस बदलाव के तहत जिले के 7 थानों के थानाध्यक्ष बदले गए हैं, जबकि कुल 10 पुलिस अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। अपराध नियंत्रण और बेहतर पुलिसिंग के लिहाज से इस फेरबदल को अहम माना जा रहा है।

जारी आदेश के अनुसार, उसका बाजार के थानाध्यक्ष हरे कृष्ण उपाध्याय को त्रिलोकपुर का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। कपिलवस्तु के थानाध्यक्ष संतोष कुमार तिवारी को उसका बाजार थाना की कमान सौंपी गई है। वहीं, महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन में तैनात मान सिंह को कपिलवस्तु थाने की जिम्मेदारी दी गई है। त्रिलोकपुर के थानाध्यक्ष रहे उपनिरीक्षक चंद्रकांत पांडे को प्रभारी एसओजी नियुक्त किया गया है। जिले में अपराधियों पर कार्रवाई और विशेष अभियानों में एसओजी की भूमिका काफी महत्वपूर्ण मानी जाती है। एंटी थेफ्ट टीम में सक्रिय उपनिरीक्षक ओम प्रकाश मिश्रा को पथरा बाजार थाने का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। बाजार के थानाध्यक्ष अमित कुमार को सिद्धार्थनगर कोतवाली भेजा गया है। भवानीगंज के थानाध्यक्ष बृजेश सिंह को शिवनगर डिड़ई थाने की कमान सौंपी गई है। वहीं, शिवनगर डिड़ई के थानाध्यक्ष अरविंद कुमार मौर्य को प्रभारी महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन बनाया गया है। तबादला सूची में उपनिरीक्षक विजय शंकर सिंह का मामला विशेष चर्चा में रहा। सिद्धार्थनगर से पुलिस लाइन भेजे गए विजय शंकर सिंह का स्थानांतरण निरस्त करते हुए एसएसपी ने उन्हें भवानीगंज थाने का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं, पथरा थाने में तैनात उपनिरीक्षक संतोष कुमार सिंह को प्रभारी एंटी थेफ्ट टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पुलिस विभाग में हुए इस बड़े फेरबदल के बाद कई महत्वपूर्ण और संवेदनशील थानों में नए चेहरे तैनात किए गए हैं। माना जा रहा है कि डॉ. अभिषेक महाजन ने अधिकारियों की कार्यशैली, अपराध नियंत्रण में भूमिका और फील्ड रिपोर्ट के आधार पर यह बदलाव किए हैं।

अदालती नोटिस

संख्याक 6
मृतक प्रतिवादी के विधिक प्रतिनिधि को समन (आदेश 22 का नियम 4)
मूलवाद सं0 547/96
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) नौगढ़ सिद्धार्थनगर
शोहरत
बनाम
सिद्दीक आदि

2/1 राजू उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र स्व0 हरीराम निवासी ग्राम बर्डपुर नं0–10 टोला रामनगर तप्पा घोष परगना व तहसील नौगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर 2/2 संजीव उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्र स्व0 हरीराम निवासी ग्राम बर्डपुर नं0–10 टोला रामनगर तप्पा घोष परगना व तहसील नौगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 12–05–2026

वादी/वादीगण ने इस न्यायालय में दिनांक को प्रतिवादी के विरूद्ध वाद संस्थित किया था। प्रतिवादी की अब मृत्यु हो चुकी है और उक्त वादी ने यह अभिकथन करते हुये इस न्यायालय में आवेदन किया है कि आप उक्त मृतक के विधिक प्रतिनिधि हैं और यह इच्छा प्रकट की है कि आपको उसके बदले में प्रतिवादी बनाया जाए।

आपको सम्मन किया जाता है कि आप उक्त वाद में प्रतिरक्षा करने के लिये दिनांक 12–05–2026 को 10:00 बजे पूर्वान्ह इस न्यायालय में हाजिर हों और यदि आप ऊपर बतायी गयी तारीख को उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका अवधारण आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

न्यायाधीश

खरीफ 2026 के लिए बीज बुकिंग शुरू

संवाददाता–गोरखपुर। खरीफ वर्ष–2026 की तैयारियों के तहत कृषि विभाग ने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत बीज वितरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिला कृषि अधिकारी ने जनपद के किसानों से योजनाओं का लाभ उठाने के लिए समय से ऑनलाइन बुकिंग कराने की अपील की है। कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के तहत सामान्य बीज वितरण के साथ निशुल्क दलहन एवं तिलहन बीज मिनीकिट भी उपलब्ध कराए जाएंगे। विभाग के अनुसार समस्त प्रकार के बीजों का वितरण पहले आओ–पहले पाओ के सिद्धांत पर बुकिंग के बाद ई–लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। विभाग ने खरीफ फसलों में उर्द, मूंग, अरहर, तिल, मूंगफली, सोयाबीन, धान और ढैंचा समेत अन्य बीजों के विकास खंडवार एवं योजनावार लक्ष्य पोर्टल पर फीड कर दिए हैं। किसानों के लिए ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया कृषि विभाग के दर्शन पोर्टल पर शुरू कर दी गई है। जिला कृषि अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह ने ने बताया कि इच्छुक किसान पोर्टल पर पंजीकरण एवं बुकिंग कराकर 50 प्रतिशत अनुदान पर बीज प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने किसानों से समय रहते आवेदन करने की अपील की, ताकि अधिक से अधिक कृषक योजना का लाभ उठा सकें।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–50/2010
दिलीप कुमार आदि
बनाम
श्रीमती वन्दना रानी आदि

1– श्रीमती वन्दना रानी पत्नी पवन कुमार 2. पवन कुमार पुत्र जोगेन्द्र कुमार नरूला –प्रतिवादी प्रथम वर्ग 3. रामनरेश पुत्र वंशराज 4. मु0 विनीता देवी पत्नी रामकुमार 5. कु0 मासूम पुत्री रामकुमार 6. मोहत पुत्र रामकुमार 7. शिवा पुत्र रामकुमार वलायत मु0 विनीता देवी माता खुद –प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग 8. शिवशंकर उर्फ शंकर ठाकुर पुत्र कुशेश्वर ठाकुर प्रतिवादी तृतीय वग निवासीगण मो0 माली टोला मेन रोड गांधी नगर बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 22–07–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 22 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

प्री मानसून बारिश में महानगर में 39 हॉट स्पॉट चिह्नित

संवाददाता–गोरखपुर। महानगर में प्री–मानसून बारिश के दौरान कई स्थानों पर उत्पन्न हुई जलभराव की समस्या का भौतिक सर्वेक्षण कर विभिन्न जोनों में जलभराव वाले 39 हॉट स्पॉट क्षेत्रों को चिह्नित किए गए हैं। नगर आयुक्त अजय जैन ने सभी जोनल इंचार्ज और अवर अभियंताओं को तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। संवेदनशील इलाकों में नाला एवं पुलिया सफाई, मोबाइल पंप संचालन, सक्शन मशीनों की तैनाती और जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त किए जाएंगे। प्री–मानसून बारिश में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर जोन–1 के मोंटेसरी गली, चंपा देवी पार्क रोड, स्मार्ट बाजार मोहद्दीपुर, आजाद नगर–रुस्तमपुर चौराहा के पास हनुमान मंदिर, आर्यन हॉस्पिटल दाउदपुर, मुंशी प्रेमचंद पार्क, धर्मशाला क्षेत्र, विरासत गलियारा, शास्त्री चौक, मेहफिल मैरिज लॉन इलाहीबाग, जिला पंचायत के पास, एचपी स्कूल, टाउनहाल–बैंक रोड, बक्शीपुर, जुबिली स्कूल, दीवान बाजार, मिनारा मस्जिद, नखास, नगर निगम गेट, शिवाय होटल, सदर अस्पताल, आईडीएच कॉलोनी और जगरनाथपुर को संवेदनशील माना गया है। यहां नियमित ड्रेन और कल्वर्ट सफाई के साथ मोबाइल पंप संचालन के निर्देश दिए गए हैं। इसी तरह जोन 2 में कचहरी चौराहा से जलकल तक और तिवारीहाता से बोबिना होटल तक नालों की सफाई और जलनिकासी कनेक्शन सुधारने का काम चल रहा है।

जोन–3 के विजय चौक में नालों की सफाई के साथ वीप होल बनाए जा रहे हैं। वहीं, जोन–4 के मिर्जापुर–पचपेड़वा और चकसा हुसैन–पचपेड़वा क्षेत्र, जटेपुर पुलिया 179, 180 एवं 181, सूरजकुंड क्षेत्र, लच्छीपुर–नौरंगाबाद, ग्रीन सिटी एरिया में ड्रेन सफाई और मोबाइल पंप संचालन पर जोर है। जोन–5 में लिटिल फ्लॉवर स्कूल गली, एचएन सिंह चौराहा, राप्तीनगर फेज–4, प्रोफेसर कॉलोनी, दिग्विजयनगर, रामप्रीत चौराहा (पार्षद आवास के सामने) और शक्तिनगर स्थित गोड़धोइया नाला के पास भी साफ सफाई कराने एवं जलभराव रोकने के लिए पम्प लगाने के निर्देश दिए गए हैं। खुले नाले ढके जाएं, चेतावनी संकेतक लगाएं नगर आयुक्त अजय जैन ने खुले नालों पर स्लैब लगाने, चेतावनी संकेतक लगाने और पंपिंग स्टेशनों की निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बारिश के दौरान जलनिकासी व्यवस्था सुचारु रखने के लिए सभी अवर अभियंताओं को अपने–अपने क्षेत्रों में लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं।

गोरखपुर मनरेगा: निर्माण सामग्री आपूर्तिकर्ताओं को मिलेगा बकाया भुगतान

संवाददाता–गोरखपुर। जिले में मनरेगा (वीबी–जी राम जी) के तहत अब निर्माण सामग्री की आपूर्ति करने वाली फर्मों के लिए राहत भरी खबर है। लंबे समय से लंबित बकाया भुगतान को लेकर परेशान सप्लायरों को अब जल्द ही उनका पैसा मिल सकेगा। केंद्र सरकार की ओर से इसके लिए आवश्यक फंड जारी कर दिया गया है और शासन स्तर पर भुगतान की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

इससे पहले 31 मार्च तक की लंबित मजदूरी का भुगतान सीधे लखनऊ से श्रमिकों के बैंक खातों में ट्रांसफर किया जा चुका है, जिससे हजारों मजदूरों को तत्काल आर्थिक राहत मिली है। अब शासन– प्रशासन का फोकस निर्माण सामग्री के बकाए भुगतान पर है, जो सबसे बड़ी राशि के रूप में लंबित है। जिले में मनरेगा के तहत मजदूरी, निर्माण सामग्री और कर्मचारियों के भुगतान को मिलाकर कुल बकाया 225 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया था। इसमें 148.36 करोड़ रुपये का निर्माण सामग्री भुगतान वित्तीय वर्ष 2024–25 और 2025–26 से लंबित है। इसके अलावा 13.96 करोड़ रुपये मजदूरी और 5.97 करोड़ रुपये कर्मचारियों का भुगतान भी बकाया रहा। मजदूरी भुगतान के बाद भी करीब 211 करोड़ रुपये का बकाया अभी शेष है, जिसे जल्द जारी करने की तैयारी है। भुगतान में लगातार देरी का असर योजना के क्रियान्वयन पर साफ तौर पर दिखाई दिया। समय पर भुगतान न मिलने से ग्राम प्रधानों और रोजगार सेवकों की रुचि योजना में कम हो गई, जबकि निर्माण सामग्री के सप्लायर भी उधार पर सामग्री देने से पीछे हटने लगे। इसका सीधा असर विकास कार्यों पर पड़ा और कई परियोजनाएं अधूरी रह गईं, जबकि नए कार्य शुरू ही नहीं हो सके।

हाल ही में मजदूरों के बकाया का भुगतान हुआ और अब निर्माण सामग्री के बकाया भुगतान की प्रक्रिया तेज हो गई है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस बकाए का भुगतान भी जल्द होने से न केवल सप्लायरों को राहत मिलेगी, बल्कि म

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–420/2025
रियाज अहमद
बनाम
शिवम उर्फ शुभम यादव आदि

1. शिवम उर्फ शुभम यादव उम्र करीब 45 वर्ष पुत्र उदय प्रताप यादव निवासी जय शक्ति नगर कॉलोनी पुलिस लाइन रोड तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील वा जिला बस्ती 2. अवधेश कुमार वालिग 3. दिनेश कुमार वालिग 4. राजेंद्र कुमार वालिग पुत्रगण हृदय नरायन उर्फ हृदय राम निवासीगण गनेशपुर (बुद्ध बाजार) तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती 4. मोहम्मद शारिक अंसारी बालिग पुत्र हमीदुल्लाह ग्राम आनंद नगर कटरा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील वा जिला बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 17–07–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–149/2026
भगवान प्रसाद
बनाम
अवधेश वर्मा आदि

1– अवधेश वर्मा उम्र लगभग 24 वर्ष कथित पुत्र घनश्याम उर्फ बाबूलाल साकिन मौजा मेढ़ायें तप्पा–बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील–हरैया जिला बस्ती।

– प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2– घनश्याम उर्फ बाबूलाल उम्र लगभग 60 वर्ष पुत्र छोटेलाल साकिन मौजा मेढ़ायें तप्पा–बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील–हरैया जिला–बस्ती 3– राज कुमारी उम्र लगभग 55 वर्ष कथित पत्नी घनश्याम साकिन–मेढ़ायें तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला बस्ती

– प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

4. अरविन्द उर्फ उम्र लगभग 20 वर्ष कथित पुत्र घनश्याम उर्फ बाबूलाल साकिन–मेढ़ायें तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला बस्ती

– प्रतिवादी तृतीय वग

तारीख पेशी 20–07–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

संवाददाता–संतकबीर नगर। जिले की मेंहदावल नगर पंचायत में प्रशासन ने बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया है। लगभग 10 वर्षों बाद हुई इस बुलडोजर कार्रवाई से नगर में हड़कंप मच गया। यह अभियान नगर पंचायत कार्यालय से शुरू किया गया। यह अतिक्रमण अभियान सीएचसी तिराहे से शुरू होकर बाराखाल मंदिर तक चलेगा। पिछली बार 2016 में तत्कालीन एसडीएम प्रफुल्ल त्रिपाठी के नेतृत्व में अतिक्रमण पर बुलडोजर चला था। उसके बाद से छोटी–मोटी कार्रवाई ही होती रही थी। अब प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने का निर्णय लिया है, जिससे नगरवासियों और राहगीरों ने खुशी जाहिर की है। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे नगर प्रशासन ने यह कार्रवाई शुरू की। इसमें ईओ पंकज कुमार, एसडीएम मेंहदावल अरुण कुमार और सीओ सर्वदमन सिंह के नेतृत्व में तीन दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी मौजूद थे। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई देखते ही अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया और कई लोगों ने स्वयं ही अपने अतिक्रमण हटाने शुरू कर दिए। शासन ने बुलडोजर से नाली के आगे किए गए अतिक्रमण, टीन शेड और दुकानों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई लगातार जारी है। एसडीएम अरुण कुमार ने बताया कि शहर को हर हाल में अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि यह अतिक्रमण अस्पताल तिराहे से शुरू होकर बाराखाल मंदिर तक हटाया जाएगा। सभी अतिक्रमण कारी अपने अतिक्रमण तत्काल हटा लें, अन्यथा प्रशासन उन्हें हटाएगा।

पति ने खींची बाथरूम से निकलते हुए पत्नी की अश्लील फोटो, सोशल मीडिया पर की वायरल

संवाददाता–गोरखपुर। एक पति ने अपनी पत्नी की फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। बताया जा रहा है कि गोरखपुर में रामगढ़ताल थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने अपने पति पर मारपीट, मानसिक प्रताड़ना, अश्लील फोटो वायरल कर बदनाम करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पत्नी के पति से इस बारे में पूछने पर गुरुवार सुबह पति ने उसकी पिटाई कर दी, जिसके बाद पीड़िता थाने पहुंच गई और पीड़िता ने मामले में पति के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने मामले में महिला की तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला का आरोप है कि उसका पति आए दिन उससे मारपीट करता है और उसकी तनख्वाह जबरन छीन लेता है। विरोध करने पर गाली–गलौज और धमकी देता है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पति ने बाथरूम से निकलते समय उसकी फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर वायरल कर दी, जिससे उसकी बदनामी हुई। तहरीर में महिला ने यह भी कहा है कि पति के कई लड़कियों से संबंध हैं और वह उनके सामने भी उसे अपमानित करता है। आरोप है कि पति शराब के नशे में घर आता है और शिकायत करने पर हाथ–पैर तोड़ने की धमकी देता है। महिला ने बताया कि वह रेलवे में नौकरी करती है और कई बार रास्ते में भी उसके साथ मारपीट की गई है। पीड़िता ने अपनी जान–माल और संपत्ति को खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोनहा पुलिस ने युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने व फोटो वायरल करने के मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस को दी तहरीर में सोनहा थानाक्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी बहन को दूसरे समुदाय का युवक अपने झांसे में लिया। शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करने लगा। जब मेरी बहन से विरोध किया तो उसकी गंदी फोटो वायरल कर दी। उसके बाद उसे जान से मारने की धमकी देने लगा। इस मामले में पुलिस ने इरशाद थाना सोनहा के खिलाफ दुष्कर्म, छेड़खानी व धमकी देने का केस दर्ज किया है।एसओ सोनहा महेश सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपी इरशाद को बनवटिया पुल के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार करने वालों में उनके साथ एसआई दिलीप कुमार और करुणेश रहे।

प्रधानी के कार्यकाल को लेकर असमंजस गहराया

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को समाप्त होने की तय तारीख नजदीक आ रही है। इसी के साथ गांवों की सियासत और प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज होती जा रही है। लेकिन इसके बाद की स्थिति को लेकर अब भी तस्वीर साफ नहीं है। कार्यकाल बढ़ेगा या पंचायतों की कमान प्रशासन संभालेगा, इन सवालों ने प्रधानों, ग्राम पंचायत सदस्यों और ग्रामीणों को असमंजस में डाल रखा है।

पंचायत चुनावों की स्थिति सूत्रों की मानें तो यदि निर्धारित समय सीमा में पंचायत चुनाव नहीं कराए जाते हैं, तो ग्राम पंचायतों का संचालन अस्थायी रूप से प्रशासन के हाथ में जा सकता है। ऐसी स्थिति में ग्राम पंचायत सचिव, एडीओ पंचायत और बीडीओ की निगरानी में विकास कार्य संचालित होंगे। हालांकि, यह व्यवस्था पूरी तरह कागजी न होकर जमीनी स्तर पर कितनी प्रभावी होगी, इसे लेकर सवाल उठने लगे हैं। विकास कार्यों पर असर पड़ सकता है। गांवों में पहले से चल रहे नाली–खड़ंजा, पंचायत भवन, शौचालय के निर्माण कार्य और आवास योजनाओं की प्रगति प्रभावित हो सकती है। प्रधानों का कहना है कि बिना जनप्रतिनिधियों के सक्रिय सहयोग के योजनाओं का क्रियान्वयन धीमा पड़ सकता है। खासकर प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा और स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं में स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने में देरी संभव है। कई ग्राम प्रधानों ने कार्यकाल बढ़ाने की मांग तेज कर दी है। उनका तर्क है कि पांच वर्षों में शुरू किए गए कई विकास कार्य अभी अधूरे हैं, जिन्हें पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय दिया जाना चाहिए।

प्राइवेट कर्मी ने फंदे से लटककर दी जान

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के शिवपुर सहबाजगंज नहर रोड स्थित लेन नंबर दो में बृहस्पतिवार सुबह 53 वर्षीय अधेड़ ने कमरे में फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। घटना की जानकारी उस समय हुई जब सुबह काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल की। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, शिवपुर सहबाजगंज निवासी अजय कुमार गौतम (53) रेलवे यांत्रिक कारखाना में प्राइवेट कर्मचारी थे। परिवार में उनकी तीन बेटियां और एक बेटा है। परिजनों ने बताया कि पति–पत्नी के बीच मनमुटाव के चलते उनकी पत्नी अर्चना गौतम पिछले करीब 15 वर्षों से बच्चों के साथ देवरिया के साकेत नगर स्थित मायके में रहती हैं। अजय अपने पिता रामलाल और छोटे भाई संजय कुमार के साथ घर पर रहते थे।

बताया जा रहा है कि अजय नशे के आदी थे। इसी वजह से पारिवारिक विवाद बढ़ने पर पत्नी बच्चों को लेकर मायके चली गई थी। अजय घर पर अकेले ही खाना बनाकर खाते थे, कभी–कभी होटल में भी भोजन कर लेते थे। उनके पिता रामलाल सेना से सेवानिवृत्त हैं, जबकि छोटा भाई संजय कुमार सरकारी शिक्षक है। परिजनों के अनुसार, बुधवार रात करीब 10 बजे ड्यूटी से लौटने के बाद अजय अपने कमरे में सोने चले गए।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ईमेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com